राजस्थान की राजनीति

Tni आवाज़

E-mail: tniawaz.news@gmail.com

आपकी आवाज के साथ....

RAJHIN/2012/43137

हिन्दुस्तान पत्रिका

HINDUSTAN KI AWAZ

जयपुर, दौसा, करौली, अलवर, टोंक, अजमेर, भरतपुर, धौलपुर, बीकानेर, कोटा, सवाईमाधोपुर से प्रसारित

www.hpnews.in/www.tniawaaz.in | जयपुर, सोमवार 06 मई, 2024 | वर्षः 2 | अंकः 191 | पृष्ठः 8 | मूल्यः 2.00 रू.

राजस्थान में सीआईडी टीम पर हमला, संदिग्ध को हिरासत से छुड़ाकर ले गए ग्रामीण

भरतपुर

राजस्थान के भरतपुर में शनिवार को बड़ा बवाल हो गया। यहां संदिग्ध को गिरफ्तार कर ले जाने की कोशिश करने वाली सीआईडी टीम पर ग्रामीणों ने हमला करते हुए हिरासत से संदिग्ध को छुड़ाकर ले गए। इसके बाद में पुलिस मौके पर पहुंची और फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है। इस हमले में सीआईडी के दो कांस्टेबल घायल हुए है । भुसावर थाना इलाके के गाँव पथैना में सीआईडी की एक स्पेशल टीम इंस्पेक्टर रूप राम के नेतृत्व में संदिग्ध संजय सिंह को पकड़ने पहुंची थी। टीम ने उसे घर से पकड़ लिया लेकिन उसके परिजन और ग्रामीणों ने सीआईडी टीम को बंधक बनाकर उन पर हमला कर दिया । घटना में कई सीआईडी के दो कॉन्सटेबलों को चोटें आई हैं। घटना की सूचना जब भुसावर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद सीआईडी के कर्मचारियों को पुलिस की ओर से छुड़ाया गया । पुलिस ने आरोपियों के परिजनों को हिरासत में ले लिया है। भुसावर थाना प्रभारी सुनील गुप्ता ने बताया कि पथैना गांव में भरतपुर जोन की सीआईडी स्पेशल ब्रांच किसी संदिग्ध व्यक्ति की तलाश में गई थी। सीआईडी की टीम ने मौके से संदिग्ध को पकड़ लिया था। आरोपी के परिजनों और ग्रामीणों ने सीआईडी के कब्जे से आरोपी को छुड़ा लिया और टीम के साथ मारपीट करने लगे। आरोपियों की तलाश की जा रही है। सीआईडी के कर्मचारियों का मेडिकल करवाया जा रहा है। मामला दर्ज क़ानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। टीम सीआईडी के SP जोन भरतपुर के निरीक्षक रूप राम मीणा के नेतृत्व में गई थी। 4 सीआईडी के कर्मचारी थे। जिसमें से ड्राइवर और उप निरीक्षक के चोट लगी है। फिलहाल आरोपी मारपीट करने के बाद से फरार हैं। जानकारी के मुताबिक संदिग्ध संजय सिंह है जो आर्मी में जवान है और फिलहाल वह अपने घर एक महीने की छुट्टी पर आया हुआ है 7 सीआईडी के लिए वह संदिग्ध है इसलिए उसे पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया था मगर ग्रामीणों ने हमला कर उसे छुड़ा लिया।

रोहित वेमुला की आत्महत्या पर राजनीति के लिए माफी मांगें राहुल', टाक्सिक दुकान चला रहे थे कांग्रेस नेताः सीतारमण

पुणे।

केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को हैदराबाद विश्वविद्यालय के छात्र रोहित वेमुला की आत्महत्या का 'राजनीतिकरण' करने के लिए माफी मांगनी चाहिए। रोहित ने वर्ष 2016 में आत्महत्या की थी। पुणे में पत्रकारों से बात करते हुए सीतारमण ने कहा कि कांग्रेस शासित राज्य में अदालत में क्लोजर रिपोर्ट दायर किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि रोहित दलित नहीं था। उसके पास एससी (अनुसूचित जाति) का फर्जी प्रमाण पत्र था। रोहित को डर था कि उसकी 'वास्तविक पहचान' उजागर हो जाएगी। लेकिन कांग्रेस ने सार्वजनिक रूप से मुद्दे का राजनीतिकरण करने की कोशिश की थी। संसद में राहुल गांधी ने बयान दिया कि रोहित पर दबाव डाला गया। सीतारमण ने कहा, राहुल को उस समय लोकसभा में दिए गए अपने भाषणों को सुनना चाहिए और देश से माफी मांगनी चाहिए। उन्हें एससी समुदाय से भी माफी मांगनी चाहिए जिनका उन्होंने दुरुपयोग किया। यह दलित मुद्दा नहीं था, लेकिन (राहुल ने) इसे दलित मुद्दे की तरह बना दिया। 'मोहब्बत की दुकान' चलाने की बात कहने वाले 'टाक्सिक दुकान' चला रहे थे। बाद में डेक्कन कॉलेज में 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण को साकार करने में उच्च शिक्षा की भूमिका पर छात्रों के साथ बातचीत करते हुए सीतारमण ने दावा किया कि नैरेटिव बनाया गया कि सरकार छात्रों और अनुसूचित जाति के खिलाफ है। यह गलत नैरेटिव स्वार्थी समूहों, स्वघोषित वामपंथी उदारवादी समूह, विपक्ष के नेताओं ने बनाया। उन्होंने कहा, जिस समस्या को सौहार्दपूर्ण ढंग से हल किया जा सकता था, उसे सड़कों पर घसीटा गया।

सिर्फ जाति जनगणना नहीं, आर्थिक सर्वे भी होगाः राहुल गांधी

नई दिल्ली

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी का कहना है कि अगर उनकी सरकार आती है तो वह जाति जनगणना कराएंगे। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि यह सिर्फ जाति जनगणना नहीं होगी, यह आर्थिक सर्वे होगा। मतलब हिंदुस्तान में किसके हाथ में कितना पैसा है, हर संस्था का सर्वे होगा। इससे पता लग सकेगा कि किस वर्ग के लोगों की क्या स्थिति है। राहुल गांधी ने कहा कि जाति जनगणना से पूरे देश को पता लग जाएगा कि हिंदुस्तान का धन कहां है, किसके हाथ में है। पिछड़ों के हाथ में कितना, दलितों के हाथ में कितना, गरीब सामान्य वर्ग और महिलाओं के हाथ में कितना धन है।

अग्निपथ योजना को समाप्त करेंगे- राहुल गांधी

राहुल गांधी ने आगे कहा कि हमने अपने घोषणा पत्र में स्पष्ट लिखा है अग्निपथ योजना को समाप्त करेंगे। वह कांग्रेस पार्टी की ओर से आयोजित न्याय मंच से युवाओं को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान अग्निपथ योजना को लेकर उन्होंने कहा कि हमारे जिन डेढ़ लाख युवाओं ने आर्मी की पूरी प्रक्रिया पूरी की है उनको कोई न कोई कंपनसेशन तो मिलना ही चाहिए। कोई न कोई रास्ता उनके लिए निकलना ही चाहिए।

नौकरी पर क्या बोले कांग्रेस नेता

राहुल गांधी ने कहा कि पहले ओबीसी, दलित, गरीब आम वर्ग को सार्वजनिक क्षेत्र में नौकरी मिल जाती थी, सेना में जा सकते थे, पेंशन मिलती थी। उन्होंने कहा कि अग्निपथ का मकसद है कि गरीब लोगों को पेंशन नहीं देना चाहते, उनको शहीद का दर्जा नहीं देना चाहते, उनको कैंटीन की सुविधा नहीं देना चाहते। अमीर लोगों को यह सब मिल जाएगा मगर जो जवान है जो शहीद होने के लिए तैयार है वह दो तरीके के बन रहे हैं - एक अग्निवीर है जिसे गोली लगेगी तो उसे कहा जाएगा कि वह शहीद नहीं है। वहीं एक नॉर्मल जवान जिसे पेंशन मिलेगी, उसे शहीद का दर्जा मिलेगा। राहुल गांधी ने कहा सोचिए अगर चीन से युद्ध हुआ तो एक अग्निवीर और एक सामान्य जवान लड़ाई लड़ रहा होगा तो अग्निवीर क्या सोचेगा। अग्निवीर सोचेगा अगर मुझे कुछ हो गया तो मेरे परिवार की कोई देखभाल नहीं करेगा। वहीं, सामान्य जवान को कुछ हुआ तो उसके परिवार को पेंशन मिलेगी उसके परिवार की देखरेख की जाएगी। आर्मी का मनोबल तो यहीं समाप्त कर दिया गया। आर्मी में फूट यहीं डाल दी, इसलिए हम अग्निपथ को समाप्त करने जा रहे हैं।

उन्होंने दावा किया कि यह योजना हितधारकों की सलाह से नहीं बनाई गई थी।

पेपर लीक पर भी बोले राहुल गांधी

राहुल गांधी ने युवाओं की ओर से रोजगार के विषय में पूछे गए प्रश्नों के जवाब में कहा कि हमने अपने मेनिफेस्टो में 'पहली नौकरी पक्की' का वादा किया है। मनरेगा में रोजगार का अधिकार मिलता है। मजदूरी करने के लिए सरकार अधिकार देती है, अब हम पहली नौकरी का अधिकार हिंदुस्तान के युवाओं को देने जा रहे हैं। ग्रेजुएट और डिप्लोमा होल्डर्स को यह अधिकार मिलेगा। उन्हें 8,500 रुपए प्रति माह अप्रेंटिस के जरिए दिए जाएंगे। इससे युवाओं को जॉब मार्केट में एंट्री मिल जाएगी। राहुल ने कहा कि युवा अगर सरकार से एक साल की नौकरी मांगेंगे तो सरकार को वह नौकरी देनी ही होगी। यह कांग्रेस पार्टी का एक आइडिया है। उन्होंने कहा कि भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक जैसी समस्या के समाधान के लिए हम सख्त कानून लाएंगे। इसके साथ ही निजी कंपनियां ये परीक्षाएं नहीं ले सकेंगी। केवल सरकारी एजेंसियां ही परीक्षा लेंगी।

राहुल गांधी पर बीजेपी नेताओं ने की आरोपों की 'बमबारी'

लोकसभा चुनाव के विपक्षी नेता राहुल गांधी वायनाड के साथ ही रायबरेली से चुनाव लड़ रहे हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के रायबरेली से चुनाव में खड़ा होने पर बीजेपी के कई नेताओं ने उन पर खूब निशाना साधा है। पीएम मोदी ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि राहुल गांधी अमेठी से चुनाव लड़ने से डर गए हैं। वहीं विपक्ष भी बीजेपी को पलटवार करने से नहीं चूक रहा है। जब पीएम मोदी राहुल गांधी पर रायबरेली से चुनाव लड़ने पर उन्हें डरपोक बताया तो इसके पलटवार में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम मोदी पर तंज कसा। खरगे ने पीएम मोदी के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि कोई उनसे पूछिए, वो खुद ही भागकर वाराणसी आए ना। कांग्रेस के रायबरेली की सीट से पत्ते खोलते ही उसमें राहुल गांधी का नाम नजर आया। जिसके बाद पीएम मोदी ने राहुल गांधी का नाम लिए बिना कहा कि ये लोग घूम- घूम कर सबको कहते हैं डरो मत। अब मैं भी इन्हें यही कहूंगा- डरो मत, भागो मत। पीएम मोदी ने आगे कहा कि 'शहजादे' वायनाड में हारने वाले हैं और हार के डर से जैसे ही मतदान समाप्त होगा वह तीसरी सीट खोजने लग जाएंगे। पीएम मोदी ने आगे कहा कि राहुल गांधी अमेठी से भी इतना डर गए कि वहां से भागकर अब वो रायबरेली में रास्ता खोज रहे हैं। आज गुजरात की एक रैली को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि भाइयों- बहनों कांग्रेस पार्टी राहुल गांधी के नेतृत्व में चुनाव लड़ रही है। इनके नेता राहुल बाबा जब अमेठी से हार गए तो वायनाड चले गए। अब वह वायनाड से भी हारने वाले हैं तो रायबरेली भागकर आ गए। उसके बाद अमित शाह ने राहुल गांधी को सलाह देते हुए कहा कि उन्हें मेरी एक सलाह है समस्या सीट में नहीं है, समस्या आप में है। रायबरेली से भी भारी वोटों से हारेंगे। अगर आप भाग भी जाएंगे तो आपको लोग खोज लेंगे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के अमेठी छोड़कर रायबरेली से चुनाव लड़ने पर बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आरपी सिंह ने उनकी चुटकी ले ली। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि राहुल गांधी 'रणछोड़' हो गए हैं।कल तक राहुल अपने कार्यकर्ताओं से नहीं डरने की बात कर रहे थे

भारतीय सेना के पास होगा दुनिया का पहला हाई एल्टीट्यूड लॉजिस्टिक्स ड्रोन, एयर एंबुलेंस का भी करेगा काम

नई दिल्ली

दूर दराज के इलाकों और हाई एल्टीट्यूड एरिया में भारतीय सेना को सामान पहुंचाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। खासतौर पर 18 हजार फीट के ऊपर कम वजन का सामान या हथियार पहुंचाने के लिए या तो हेलीकॉप्टर पर निर्भर रहना पड़ता है या फिर अगर वहां सड़क मार्ग है, तो वाहन के जरिए ही पहुंचाया जा सकता है। वहीं, अब यह काम ड्रोन करेगा, क्योंकि भारतीय सेना को 40 किग्रा पेलोड की क्षमता वाले स्वदेशी तकनीक से बने ऐरावत ड्रोन बेहद पसंद आए हैं और उम्मीद जताई जा रही है कि जल्द ही इनकी डिलीवरी भी शुरू की जाएगी। फिरोजाबाद की ऑर्डिनेंस इक्विपमेंट फैक्टरी हजरतपुर ने सैन्य ऑपरेशन के लिए 20 से 100 किग्रा का वजन ढोने की क्षमता वाले लॉजिस्टिक ड्रोनों को डिजाइन किया है, इनमें ऐरावत-1 की क्षमता 20 किग्रा, ऐरावत-2 की क्षमता 40 किग्रा है। जबकि ऐरावत-3 जिसकी पेलोड क्षमता 100 किग्रा है, हालांकि वह अभी डेवलपमेंट फेज में है। ऐरावत-3 उच्च हिमालय इलाकों में भारतीय सेना के लिए एयर एम्बुलेंस के तौर पर काम करेगा। ऑर्डिनेंस फैक्टरी का कहना है कि उन्हें उधमपुर आर्मी कमांड से 13 ऐरावत- 3 ड्रोन डेवलप करने के ऑर्डर मिले हैं। ऑर्डिनेंस फैक्टरी का दावा है कि ऐरावत दुनिया का पहला हाई एल्टीट्यूड लॉजिस्टिक्स ड्रोन है। हाल ही में वाइस चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने रक्षा मंत्रालय की अधीन डिफेंस पीएसयू ट्रूप कंफर्ट्स लिमिटेड (टीसीएल) के कानपुर स्थित मुख्यालय का दौरा किया था। वहीं ऑर्डिनेंस इक्विपमेंट फैक्टरी हजरतपुर असल में टीसीएल की ही यूनिट है, जो भारतीय सेना के लिए इक्विपमेंट और टेक्सटाइल प्रोडक्ट्स बनाती है। दौरे के दौरान लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी को ऐरावत-2 का ट्रायल रन बेहद पंसद आया था।

शाह ने माना राजस्थान में बीजेपी की सीटें कम होंगी, एक-दो सीटों की हो सकती है कटौती

जयपुर

राजस्थान लोकसभा चुनावों में बीजेपी की हैट्रिक पर केंद्रीय गृह मंत्री और पार्टी के सबसे बड़े रणनीतिकार अमित शाह ने ही सवाल उठा दिए हैं। अमित शाह ने एक टीवी इंटरव्यू में सार्वजनिक रूप से यह स्वीकार किया है कि राजस्थान में सीटें कम होंगी। शाह ने कहा- राजस्थान में हमारी बहुत कम कटौती एक-दो सीटों की हो सकती है। लोकसभा चुनावों के रिजल्ट से पहले शाह के इस बयान को सियासी रूप से काफी अहम माना जा रहा है। 400 सीटों के सवाल के जवाब में शाह ने कहा- आप नतीजे आने दीजिए, चौंक जाएंगे। 400 का आंकड़ा आएगा। महाराष्ट्र में भी हम 40 के आस-पास सीट जीतेंगे, 41, 40 या 42 हो जाए। यही रिजल्ट रहेगा। महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, दिल्ली, गुजरात, कर्नाटक हम शत प्रतिशत रिपीट करेंगे। राजस्थान में हमारी बहुत कम कटौती एक दो सीटों की हो सकती है। उत्तर प्रदेश में हम 5 से 7 सीट की बढ़ोतरी करेंगे। उड़ीसा में 16 के आस-पास जा सकते हैं। असम में भी 12 को क्रॉस करेंगे। अमित शाह के बयान से यह साफ हो गया है कि राजस्थान में 25 सीटें जीतने की हैट्रिक नहीं लगने वाली। पार्टी के पास ऊपर तक फीडबैक है कि पूरी 25 सीटें नहीं आएगी। राजस्थान के पहले फेज में जिस तरह वोटिंग गिरी। उसका नुकसान बीजेपी को हो सकता है। इस बार 25 सीटों पर 2019 के मुकाबले 4.57 प्रतिशत तक कम वोट पड़े हैं। पिछली बार 66.07 प्रतिशत वोटिंग हुई थी। जो इस बार घटकर 61.57 प्रतिशत रह गई। बाड़मेर, बांसवाड़ा समेत तीन सीटों को छोड़कर किसी भी लोकसभा सीट पर 2019 से ज्यादा वोट नहीं पड़े। बीजेपी ने लोकसभा चुनावों के दौरान सात सीटों को कमजोर माना था। कमजोर मानी जाने वाली सीटों में दौसा, झुंझुनूं, बाड़मेर, चूरू, नागौर, सीकर, करौली-धौलपुर शामिल थी। पार्टी ने इन सीटों पर खूब फोकस किया था। पीएम नरेंद्र मोदी और दूसरे स्टार प्रचारकों की सभाएं करवाकर माहौल बदलने का प्रयास किया था।

कर में कटौती से 21 अरबपतियों को पहुंचाया लाभः जयराम

नई दिल्ली लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण से पहले कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने शनिवार को मोदी सरकार पर गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा, मोदी सरकार में 21 अरबपतियों और विशाल निगमों को तो टैक्स में कटौती दी गई, लेकिन वेतनभोगी, मध्यम वर्ग और श्रमिक पहले से कहीं अधिक आयकर का भुगतान कर रहे हैं। उन्होंने कहा, जब डॉ. मनमोहन सिंह ने पद छोड़ा, तो व्यक्तिगत आयकर कुल टैक्स संग्रह का 21 प्रतिशत था, जबकि कॉर्पोरेट टैक्स 35 प्रतिशत था। कांग्रेस नेता जयराम ने एक्स पर एक पोस्ट में आरोप लगाया, हाउडी मोदी कार्यक्रम से दो दिन पहले, केंद्र ने भारी कॉर्पोरेट कर कटौती की घोषणा की, जिससे सरकारी खजाने को दो लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। उन्होंने दावा किया कि आज कुल टैक्स संग्रह में कॉर्पोरेट टैक्स का हिस्सा तेजी से गिरकर एक दशक के सबसे निचले स्तर मात्र 27.1 प्रतिशत पर आ गया है। वहीं, कुल टैक्स संग्रह में व्यक्तिगत आयकर का हिस्सा बढ़कर 27.4 प्रतिशत हो गया है। कांग्रेस महासचिव ने कहा, निजी निवेश में उछाल के बिना, सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में तेजी नहीं आ सकती।

कांग्रेस में बिखरावः लवली-राजकुमार समेत कई नेताओं ने थामा भाजपा का दामन, शीर्ष नेतृत्व के फैसले से थे नाराज

नई दिल्ली

दिल्ली में लोकसभा की चुनावी सियासत दिलचस्प हो गई है। प्रदेश कांग्रेस अब बिखरती नजर आ रही है। दिल्ली यूनिट के दिग्गज नेताओं ने बगावती तेवर अख्तियार कर रखा है। इसकी बानगी शनिवार देखने को भी मिली। पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अरविंद सिंह लवली के साथ चार दिग्गज नेताओं ने भाजपा का दामन थाम लिया। प्रदेश कांग्रेस नेता अपने राष्ट्रीय नेतृत्व से ही नाराज है। उन्हें बिना तवज्जो दिए आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन और उम्मीदवार को उतारना रास नहीं आया। कन्हैया कुमार के रूप में बाहरी नेता को और डॉ. उदित राज को आरक्षित सीट से चुनाव में उतारना दिल्ली के पुराने दिग्गज नेताओं को पसंद नहीं आया। राजनीतिक जानकार यह भी तर्क दे रहे है कि अरविंदर सिंह लवली और राजकुमार चौहान जैसे पुराने कांग्रेसी नेता को दूसरी बार भाजपा में शामिल होना पार्टी के अंदर बिखराव का बड़ा संदेश है। चूंकि पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के बाद यही सेकेंड लाइन के कांग्रेसी नेता है। उत्तर पूर्वी दिल्ली सीट से कांग्रेस आलाकमान ने जब से कन्हैया कुमार को उतारा तभी से विरोध के तेवर कांग्रेस नेताओं में उठने लगे थे। इसी तरह उत्तर-पश्चिमी दिल्ली सीट से डॉ. उदित राज भी प्रदेश नेतृत्व को पसंद नहीं थे। पार्टी कार्यालय में विरोध-प्रदर्शन तक हुआ, पार्टी के भीतर ही एक नया गुट उभरा, यहां तक की इस्तीफा भी दे दिया। अपनी राय भी जाहिर की कि बिना किसी सलाह मसवरा लिए केंद्रीय नेतृत्व अपना तुगलकी फरमान जारी करते हुए उम्मीदवार थोप दिया। दरअसल, उत्तर-पूर्वी सीट पर लवली की नजर थी और उत्तर पश्चिम सीट पर राजकुमार चौहान की। उन्हें आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन की राजनीति से यह भी डर सता रहा है कि आगामी विधानसभा चुनाव में उनका राजनीतिक अस्तित्व ही ना खत्म हो जाए। दूसरी तरफ कन्हैया कुमार ही दिल्ली की राजनीति पर हावी ना हो जाए इसकी भी संभावना बागी नेताओं को डरा रहा है। पार्टी में शामिल होने के दौरान लवली ने भी स्पष्ट किया कि उनके जैसे कई कांग्रेसी नेता अपने शीर्ष नेतृत्व से गठबंधन को लेकर नाराज है।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में वायुसेना के वाहन पर घात लगाकर हमला, एक जवान बलिदान, चार घायल

जम्मू।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में शनिवार को आतंकवादियों ने भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के एक वाहन समेत दो वाहनों पर गोलीबारी की। इस हमले में पांच सुरक्षाकर्मी घायल हो गए, जिनमें से एक जवान की इलाज के दौरान मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि हमला शाम को शशिधर के पास हुआ जब वाहन जिले के सुरनकोट इलाके में सनाई टॉप की ओर जा रहे थे। पांच जवान घायल हो गए, जिनमें से दो की हालत गंभीर बनी हुई है। अधिकारियों ने बताया कि उन्हें अस्पताल ले जाया गया। आतंकवादियों का पता लगाने और उन्हें मार गिराने के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी और घेराबंदी अभियान शुरू किया गया है। वायुसेना अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों के साथ आगामी गोलीबारी में वायु योद्धाओं ने जवाबी गोलीबारी करके लड़ाई लड़ी। इस हमले में पांच IAF कर्मियों को गोली लग गई

सुरक्षाबलों को तलाशी अभियान जारी

अधिकारियों ने कहा कि सेना के ट्रक को आतंकवादियों की गोलीबारी का सबसे बड़ा खामियाजा भुगतना पड़ा, जो एके असॉल्ट राइफलों से लैस थे और माना जाता है कि वे पास के जंगलों में भाग गए थे। उन्होंने बताया कि सेना और पुलिस को इलाके में भेजा गया है और आतंकवादियों का पता लगाने और उन्हें मार गिराने के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी और घेराबंदी अभियान शुरू किया गया है। संदिग्ध व्यक्तियों की आवाजाही के बारे में इनपुट मिलने के बाद अर्धसैनिक बलों की सहायता से पुलिस ने शुक्रवार से पुंछ शहर में तलाशी ली। हालांकि, अधिकारियों ने कहा कि ऑपरेशन के दौरान किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया।

आतंक के नए केंद्र

राजौरी और पुंछ क्षेत्र पिछले कुछ वर्षों में आतंक के नए केंद्र बन चुके हैं। आतंकी वारदात को अंजाम देकर घने जंगल में छिप जाते हैं। आशंका है कि आतंकियों ने घने जंगल के भीतर ठिकाने बना लिए हैं। यही वजह है कि सुरक्षाबलों को इस क्षेत्र में कोई बड़ी कामयाबी नहीं मिल पाई है। 22 अप्रैल, 2024- राजौरी के थन्नामंडी में सैन्य जवान के घर आतंकी हमला। जवान के भाई की हत्या।

वायुसेना ने कही ये बात

वायुसेना ने अपनी एक्स पोस्ट पर कहा कि शाम को शशिधर के पास आतंकवादियों ने भारतीय वायुसेना के एक वाहन सहित दो वाहनों पर गोलीबारी की, जिसमें पांच सुरक्षाकर्मी घायल हो गए, जिनमें से दो की हालत गंभीर है। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में शाहसितार के पास आतंकवादियों ने भारतीय वायु सेना के वाहन काफिले पर हमला किया। स्थानीय सैन्य इकाइयों द्वारा क्षेत्र में घेराबंदी और तलाशी अभियान जारी है। काफिले को सुरक्षित कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है। उन्होंने कहा कि वाहन जिले के सुरनकोट इलाके में पास के सनाई टॉप की ओर जा रहे थे,

भगवान परशुराम की जयंती 10 मई को मनाई जायेगी

ब्राह्मण समाज की बैठक में सर्व सम्मति से लिया निर्णय

राजस्थान की राजनीति

कोटकासिम (चेतराम सैनी)। रविवार को रामलीला मैदान स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर के प्रांगण में ब्राह्मण समाज की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में ब्राह्मण समाज के प्रबुद्ध नागरीक एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। कार्यक्रम में सर्वसम्मति से भगवान परशुराम का जन्मोत्सव मनाने का निर्णय लिया गया। ब्राह्मण समाज के डॉ0 अरूण मुद्गल ने बताया की 10 मई को भगवान परशुराम के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में विशेष पूजा-अर्चना सहित विभिन्न कार्यक्रमो का अयोजन करने का निर्णय सर्व समिति से लिया गया। इस अवसर पर ब्राह्मण समाज अध्यक्ष रामानंद शर्मा, निखिल कौशिक, तरुण शर्मा, उत्तम शर्मा, गौरक्षक चतुर्भुज शर्मा, अनिल पारीख, अनिल शर्मा, पवन शर्मा, अमित चतुर्वेदी सहित काफी संख्या में ब्राह्मण समाज के सदस्य मौजूद रहे।

निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर में 120 मरीजों के उपचार सहित 15 का मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए हुआ नामांकन

राजस्थान की राजनीति

नदबई। अग्रवाल समाज कटरा नदबई के सानिध्य में आयोजित निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। श्री जी बाबा चिकित्सा संस्थान कल्याणं करोति संस्था मथुरा द्वारा संचालित निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन आज रविवार अग्रवाल धर्मशाला कटरा नदबई में आयोजित किया गया। आयोजित शिविर में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉक्टर योगेश कुमार की देखरेख में टीम द्वारा आये हुए मरीजों की निशुल्क जांच कर आवश्यक दवाईयां प्रदान की गई। शिविर में करीब 120 मरीज उपस्थित हुये जिनकी मशीनों के द्वारा जांच कर आवश्यक निशुल्क दवाइयां प्रदान की गई ,साथ ही शिविर में पधारे 15 मरीजो को मोतियाबिंद का ऑपरेशन करने के लिए नामांकन किया गया । जिनका श्री जी बाबा चिकित्सा संस्थान मथुरा में निशुल्क ऑपरेशन किया जाएगा शिविर में मथुरा के डॉ योगेश कुमार, डॉ गौरीशंकर , सहायक रवि कुमार व अनिश कुमार उपस्थित हुये।इस मौके पर अग्रवाल समाज कटरा नदबई के अध्यक्ष ओमप्रकाश गर्ग मन्त्री विनेश जिन्दल, उणध्यक्ष मुकेश गुप्ता, कोषाध्यक्ष खेमचन्द गोयल, संघठन मन्त्री डा. मुकेश गोयल व मार्षद हरीश गोयल, ललित मंगल, सौनू बंसल, पप्पू कम्पाउन्डर सहित समाज के अनेकों प्रतिनिधि वह सैकड़ो मैरिज मौजूद थे।

गंदा पानी निकासी को लेकर दो पक्षों में विवाद, करीब सात जनें घायल

घायलों को चिकित्सालय में कराया भर्ती, एक घायल युवती जिला चिकित्सालय रैफर

राजस्थान की राजनीति

नदबई। क्षेत्र के गांव झोरोल में गंदा पानी निकासी को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हो गई। जिसके चलते दोनों पक्ष से करीब सात जनें घायल हो गए। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंच दोनों पक्षों से समझाइस करते हुए घायलों को चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां से एक युवती को गंभीर स्थिति होने के चलते जिला चिकित्सालय रैफर कर दिया गया। ग्रामीणों के अनुसार मंगतू मीणा पुत्र रामसिंह व सुरेन्द्र मीणा पुत्र रमेश मीणा के बीच गंदा पानी निकासी को लेकर कहासुनी होने व बाद में दोनों पक्षों के परिजन एकत्रित होने के चलते जमकर मारपीट हो गई। जिसके चलते एक पक्ष से मंगतू मीणा सहित जयदेई पत्नी मंगतू मीणा, अन्नू पुत्री मंगतू मीणा व दीनदयाल पुत्र मंगतू मीणा एवं दूसरे पक्ष से सुरेन्द्र मीणा सहित अनीता पत्नी सुरेन्द्र व धीरू पुत्र सुरेन्द्र मीणा गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने समझाइस करते हुए घायलों को चिकित्सालय में भर्ती कराया। बाद में अन्नू पुत्री मंगतू मीणा को गंभीर स्थिति के चलते जिला चिकित्सालय रैफर कर दिया गया। इस संदर्भ में समाचार लिखे जाने तक पुलिस में मामला दर्ज नही हुआ।

फर्जी एनओसी पर ऑर्गन ट्रांसप्लांट

डॉक्टर और असिस्टेंट से जब्त मोबाइलों को एफएसएल भेजा, एसीबी ने की छापेमारी

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। सवाई मानसिंह अस्पताल से सहायक प्रशासनिक अधिकारी गौरव सिंह द्वारा जारी की गई फर्जी एनओसी के जरिए किए ऑर्गन ट्रांसप्लांट के मामले में जयपुर पुलिस द्वारा पकड़े गए दिल्ली की मैड सफर कंपनी के डायरेक्टर सुमन जाना व दलाल सुखमय नंदी व उर्फ गोपाल से पूछताछ में चौंकाने वाले खुलासे हुए है। एक तरफ अस्पताल प्रशासन पुलिस को बता रहा है कि हमारे पास कंपनी के जरिए ही डोनर-रिसीपिएंट आते हैं, जबकि इधर पुलिस पूछताछ में सामने आया कि दलाल सुखमय नंदी के फोर्टिस अस्पताल के डायरेक्ट संपर्क में थे, जो ट्रांसप्लांट से संबंधित बात करते थे। साथ ही सामने आया कि हॉस्पिटल प्रशासन पहले इन दलालों के जरिए ही ट्रांसप्लांट करते थे, लेकिन किसी की सलाह पर कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए दिल्ली की कंपनी के साथ पिछले साल 13 दिसंबर को हॉस्पिटल के मार्केटिंग मैनेजर ने 6 पेज का एमओयू कर लिया। कंपनी के दो डायरेक्टर सुमन जाना व राजकमल है। इनके अलावा दो दलाल मोहम्मद मुर्तजा अंसारी व सुखमय नंदी काम कर रहे थे। पूछताछ में ये भी सामने आया कि फर्जी एनओसी के लिए दोनों अस्पतालों की रेट अलग-अलग लगती थी। इधर, एसएमएस से जारी की गई ज्यादातर एनओसी डिस्पैच नंबर नहीं थे। इसके बावजूद भी अस्पताल प्रशासन व डॉक्टर आंखें बंद कर ट्रांसप्लांट कर रहे थे। इसलिए पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ और एडिशनल कमिश्नर कैलाश बिश्नोई पूरे मामले की मॉनिटरिंग कर रहे है।

फिल्टर पानी के नाम पर लोगो के स्वास्थ्य के साथ हो रहा है खिलवाड़

पानी में फिटकरी घोलकर पिला रहे है

राजस्थान की राजनीति

कोटकासिम (चेतराम सैनी)। गर्मी में तापमान में बढोत्तरी के साथ ही पेयजल की हर जगह डिमांड बढती जा रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए हर कोई आरो फिल्टर प्लांट से बोतल या कैम्पर भरवाकर अपने परिवार व बच्चो को पानी पिला रहे है। लेकिन असल में इस पानी की लम्बे समय से कोई जांच नही हुईहै। विभाग के आंकडो की माने तो फिल्टर प्लांट से निकलने वाले पानी की जांच नही हुईहै। जिससे इस पानी में मिनरल और पोषक तत्वो की कोई जनकारी नही है। सीधे बोतल से पानी खीचकर अंदर केमिकल की टिकिया मिलाकर पानी पियाला जा रहा है। इसके कारण स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड रहा है। इन फिल्टर प्लांटो से प्रशासन, पुलिस और चिकित्सा विभाग को सेवाए दी जाती है। इसके कारण कोई भी सरकारी महकमा कार्यवाही करने के लिए तैयार नही है। इसी का लाभ उठाकर फिल्टर प्लांट वाले ग्रामीणो को नकली पानी पिला रहे है।

आरो प्लांट लगाने के नियम

आरो प्लांट लगाने के लिए यूरो ऑफ इंडियन स्टेंडर्स से अनुमति लेनी आवश्यक है। वीओआईएस से अनुमति मिलने के बाद खाद्य सुरक्षा अधिकारी लाईसेंस मिलता है। इतना ही नही आरो प्लांट की फर्म को सेलटैक्स देना पडता है। श्रम विभाग में प्लांट में कार्य करने वाले कर्मचारी का रजिस्ट्रेशन करवाना जरूरी होता है। आरो प्लांट के साथ खुद की लैब में पानी की हर माह जांच रिपार्ट भेजनी अनिवार्यहै। आरो प्लांट चलाने के लिए कॉमर्सियल बिजली कनेक्शन लेना अनिवार्य है। खाद्य उत्पादक में भारतीय मानक ब्यूरो से रजिस्ट्रड होना आवश्यक है। आरो प्लांट में खुद की प्रयोगशाला में दो कैमिस्ट होना अनिवार्य है जो प्रतिदिन पानी की जांच करेगे।

लाखो रूपये का बेचा जा रहा है पानी

गर्मी के सीजन का सबसे ज्यादा लाभ फिल्टर प्लांट वाले उठा रहे है। आरो पानी और चिल्ड के नाम से प्रति केम्पर 20 रूपये की जगह 40 रूपये वसूले जा रहे है। इसके लिए शहर सहित क्षेत्र में करीब एक दर्जन फिल्टर प्लांट चल रहे है। क्षेत्र में टोटल 50 केम्पर प्रतिलीटर के हिसाब से जोडा जाये तो 5 हजार केम्पर प्रतिदिन बिक रहे है। इसका राजस्व गिने तो प्रतिदिन का ढाई लाख रूपये की कमाई पानी बेचकर की जार रही है। इसका कोई भी बेनिफिट सरकार को नही मिल रहा है।

इनका कहना है...

बीसीएमओ डॉ0 गोविन्द सिंह ने बताया की कोटकासिम सहित क्षेत्र में लगे हुए आरो प्लांट के विषय में पूरी जानकारी लेकर आरो प्लांट में पानी के सेम्पल लिये जायेगे तथा जांच कराई जायेगी। पानी में मिलावट होने पर आरो प्लांट के मालिक के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

विद्युत विभाग के सहाकय अभियंता सुमित चौधरी ने बताया की मेरी जानकारी में ऐसा कोई मामला नही आया है। फिर भी किसी आरो प्लांट में कॉमर्सियल बिजली कनेक्शन की जांच कराकर कॉमर्सियल कनेक्शन नही पाये जाने पर आरो प्लांट के मालिक पर उचित कार्यवाही की जायेगी।

ससुराल में दामाद ने लगाई फांसी, मृतक के परिजनों ने शव लेने से किया इंकार

राजस्थान की राजनीति

दौसा (विष्णु आशीर्वाद)। दौसा जिले के भांडारेज निवासी हरकेश बेरवा की अपने ससुराल कानपुरा में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना पर पहुंची नांगल राजावतन थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जिला अस्पताल के मोर्चेरी में रखवा दिया है। जहां पर पंचनामा की कार्रवाई के बाद शव को परिजनों को सुपुर्द किया जाएगा। वहीं परिजनों के द्वारा मृतक हरकेश बेरवा के ससुराल वालों पर हत्या करने का आरोप लगाते हुए आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की है। मृतक की मां और बहन का जिला अस्पताल में रो रहा कर बुरा हाल है। उनका कहना है कि जब तक आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा जब तक मृतक के शव का पोस्टमार्टम नहीं होने दिया जाएगा न ही डेड बॉडी ली जाएगी। इसी को लेकर बड़ी संख्या में मृतक के परिजन दौसा जिला अस्पताल में धरना दे रखा है और शव लेने का इनकार किया जा रहा है। वहीं थाना अधिकारी हुसैन अली ने कि सुबह इत्तला मिली की कानपुरा में बैरवा ढाणी में युवक ने फांसी लगा ली। सूचना पर घटना स्थल पर पहुंचा तो मृतक की मां और बहन भी मौके पर मौजूद थी। उनकी मौजूदगी में ही हरकेश की बॉडी को नीचे उतरा जा चुका था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर दौसा जिला अस्पताल के मोर्चेरी में रखवा दिया गया है। परिजनों के द्वारा एफआईआर दे दी गई है।जिसके आधार पर अनुसन्धान किया जायेगा और जल्द का आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

श्रमदान में लगे लाखों हाथ, तो जगमगा उठा मावठा

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। नगर निगम हेरिटेज द्वारा आमेर के प्रसिद्ध मावठा में शनिवार सुबह विशेष सफाई अभियान चलाया गया। हेरिटेज निगम आयुक्त अभिषेक सुराणा की अपील पर इस विशेष सफाई अभियान में श्रमदान करने के लिए बड़ी संख्या में शहरवासी उमड़ पड़े। आयुक्त अभिषेक सुराणा के निर्देश पर हेरिटेज नगर निगम के सभी अधिकारी और कर्मचारियों ने भी स्वच्छता के लिए अपना श्रमदान किया। इस दौरान आमेर महल अधीक्षक राकेश छोलक ने भी अपनी टीम के साथ श्रमदान किया। आयुक्त अभिषेक सुराणा ने बताया कि हमारे प्राकृतिक जल स्त्रोत साफ और संरक्षित रहे, इसी उद्देश्य को ध्यान रखते हुए हेरिटेज निगम ने आमेर के मावठे में ये विशेष सफाई अभियान चलाया।हेरिटेज निगम आगे भी अन्य प्राकृतिक जल स्त्रोतों पर साफ सफाई करेगा।अतिरिक्त आयुक्त ड़ा रौनक बैरागी ने बताया कि सफाई अभियान में आमेर स्थित मावठा की सफाई की गई। इस दौरान हेरिटेज निगम के ब्राण्ड एम्बेसेडर सिंगर रविन्द्र उपाध्याय और कनिका भी मौजूद रही। निगम ने संसाधन उपलब्ध कराए, सफाई अभियान में करीब दो हजार लोग मौजूद रहे। इस दौरान करीब दो टन कचरा मावठे से इकट्ठा किया। मावठा सरोवर में वर्क संस्था से की और से भी महिलाओं सहित एक दर्जन वर्कर्स ने उत्साह के साथ श्रमदान किया।वर्क संस्था की और से लाइक हसन के नेतृत्व में जयपुर हेड हिदायत रसूल,कैशियर जियाउर्रहमान, डॉक्टर तस्लीम, अतीक खान, मोहसिन खान, शाहिद कुरेशी, आरिफ अंसारी, इकराम खान, रहबर, अकरम तथा वर्क महिला विंग से लुबेना फिरदौस,मलिका तस्लीम आदि ने बढ़चढ़ कर सफाई अभियान श्रमदान किया।ज्ञात रहे की वर्क संस्था भारत में सतयुग के आगमन हेतु सकल प्रयास कर रही है,वर्क का मानना है की सतयुग जब शुरू होगा,भारत विश्व गुरु होगा।उक्त कार्यक्रम में वर्क के अलावा गुलाबी नगरी जयपुर की अन्य मुख्य संथाओ व आम नागरिकों ने भी श्रमदान किया। सामाजिक संगठन और संस्थाओं में जयपुर व्यापार महासंघ, गोपाल जी का रास्ता व्यापार मण्डल, मनिहारों का रास्ता व्यापार मण्डल, जलमहल व्यापार मण्डल, आमेर व्यापार मण्डल, रामगढ रोड व्यापार मण्डल, सी फॉर एनजीओ, होटल फैडरेशन ऑफ राजस्थान, क्लब महिन्द्रा, सुबोध स्कूल, भूमि एनजीओ, ग्राम भारती समिति आमेर, नई उमंग एनजीओ, जलमहल के वेंडर्स, सुबोध कॉलेज एनएसएस टीम, कदम्ब कुण्ड एवं ताल कटोरा विकास समिति, महावीर इंटरनेशनल एनजीओ, जय भारत जन चेतना मंच, माधवी शिक्षा संस्था, जयपुर ग्राफर्स इंस्टाग्राम, एजुकेशन एंड कर्मचारी संगठन आदि निजी संस्थाओं और स्कूल का सहयोग रहा।

नांदरी गांव में पसरा सन्नाटा, लोग सहमे हुएः घरों में आगजनी-तोड़फोड़ व पुलिस पर पथराव के मामले में 4 आरोपी गिरफ्तार

राजस्थान की राजनीति

दौसा। दौसा जिले के नांदरी गांव में घरों में आगजनी व पुलिस पर पथराव के बाद तनाव की स्थिति बनी हुई है। यहां जगह-जगह पुलिस बल तैनात किया हुआ है। मामले में पुलिस ने 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यहां महिला से रेप व उसकी हत्या की वारदात के बाद गुस्साए लोगों द्वारा आरोपी के घरों में आगजनी, तोड़फोड़ व पुलिस पर पथराव करने के मामले में पुलिस ने जानलेवा हमला, राजकार्य बाधा सहित विभिन्न धाराओं में आरोपी सीताराम, घोलया, नवीन व कालूराम को गिरफ्तार किया है। जिनके कब्जे से पुलिस ने एक लग्जरी कार भी बरामद की है। वहीं घटनाक्रम के बाद से ही गांव में पूरी तरह सन्नाटा पसरा हुआ है। घटना को लेकर न कोई सुनने को तैयार और न ही कुछ बताने को। आलम यह है कि उक्त घटना में शामिल होने व पकड़े जाने के डर से गांव के कई घरों में ताले लटक गए और लोग अन्यत्र जा चुके हैं। पुलिस की लगातार दबिश के कारण अब लोग कार्रवाई व पकड़े जाने के डर से भयभीत है। इधर सरपंच कमल राम मीणा ने ग्रामीणों को बेवजह परेशान करने का आरोप लगाया है।

प्रेग्नेंट महिला की हत्या से जुड़ा है मामला

नांदरी गांव के एक युवक ने 28 अप्रैल को जगराम नाम के युवक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई थी कि वह उसकी पत्नी को 27 अप्रैल को चारा भरवाने की बात कहकर ले गया था, लेकिन वापस नहीं लौटे। इसके बाद युवक ने पत्नी के घर नहीं लौटने पर उसे तलाश किया, लेकिन पता नहीं चला। शिकायत के बाद पुलिस ने तलाश शुरू की तो लापता महिला का शव 29 अप्रैल को जंगल के पास क्षत-विक्षत हालत में पड़ा मिला। इस पर मृतका के पति ने हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि जगराम मीणा ने दुष्कर्म के बाद उसकी पत्नी की हत्या कर दी। उसकी पत्नी 6 महीने की प्रेग्नेंट भी थी। मामले में पुलिस ने 1 मई को आरोपी जगराम मीणा को गिरफ्तार किया था। इसके बाद गुस्साए ग्रामीणों ने आरोपी के घरों में आगजनी कर दी थी।

अज्ञात कारण नीट की तैयारी कर रहे विद्यार्थी ने की खुदकुशी

दो साल से भरतपुर किराए के मकान में रहते हुए कर रहा तैयारी, पुलिस ने कराया शव का पोस्टमार्टम

राजस्थान की राजनीति

नदबई। जिला मुख्यालय पर दो साल से किराए का कमरा लेकर नीट की तैयारी कर रहे नदबई लखनपुर थाना क्षेत्र के गांव नगला मिर्चुआ निवासी मनीष पुत्र हरभान सिंह ने अज्ञात कारण अपने कमरें में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मकान मालिक की सूचना पर पुलिस ने मौके पर जांच पडताल कर जिला चिकित्सालय में मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया।

पुलिस के अनुसार विद्यार्थी मनीष किराए का कमरा लेकर नीट परीक्षा की तैयारी कर रहा। जिसकों रविवार को आयोजित नीट परीक्षा दौरान जिला मुख्यालय पर सरकारी इंजनियरिंग कॉलेज में सेंटर था। लेकिन, अज्ञात कारण परीक्षा देने से एक दिन पहले अपने किराए के कमरें में मनीष ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। रविवार को कमरें में कोई हलचल नही होने पर मकान मालिक ने कमरें को खोलकर देखा। बाद में फांसी पर विद्यार्थी का शव लटका देख मकान मालिक ने पुलिस व मृतक विद्यार्थी के परिजनों को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर जांच पडताल कर विद्यार्थी के शव को कब्जे में लिया। बाद में पुलिस ने जिला चिकित्सालय में विद्यार्थी के शव का पोस्टमार्टम कराया। हालांकि, इस संदर्भ में समाचार लिखे जाने तक पुलिस में कोई मामला दर्ज नही हुआ।

क्रिकेट विश्व में सर्वाधिक प्रिय खेल-जगदीश मीणा

चैंटोली में रात्रिकालीन क्रिकेट मैच का शुभारम्भ

विजेता को 31 हजार एवं उप विजेता 21 हजार का ईनाम

राजस्थान की राजनीति

भरतपुर। जय हिन्द क्रिकेट क्लब एवं गांव के क्रिकेट प्रेमियों की ओर से गांव चैंटोली में तृतीय रात्रिकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारम्भ पूर्व जिला परिषद सदस्य जगदीश मीणा बौराज के मुख्य आतिथ्य में हुआ। मुख्य अतिथि जगदीश मीणा बौराज ने कहा क्रिकेट विश्व में सर्वाधिक प्रिय खेल है,ये युवा वर्ग का सबसे प्रिय खेल है। खेलों से देश,समाज व परिवार में भाईचारा और देशभक्ति व समाज सेवा की भावनाए जागरूक होती है। ऐसे आयोजन से भारतीय संस्कृति व प्राचीन खेल व मनोरंजन के प्रति युवा पीढी में जागरूकता आती है। आज जिस तरफ देखा जाए,उसी तरफ क्रिकेट मैच होते तथा बच्चा-युवा आदि खेलते नजर आते है। उन्होने कहा कि चैंटोली में लगातार तीसरी बार रात्रिकालीन क्रिकेट मैच होना और युवाओं में जोश कायम होना,ये गर्व की बात है। मै आयोजक और गांव के लोगों सहित क्रिकेट मैच खेल रही टीम के खिलाडियों का धन्यवाद देता हूं। उन्होने कहा कि मैच में हार-जीत के चिन्ता नही करे,मैच में हार-जीत सुनिश्चित है। खिलाडी को स्वयं के खेल के प्रदर्शन की चिन्ता अधिक करनी चाहिए। उन्होने कहा कि मैच के फाइनल में विजेता टीम को मेरे द्वारा पुरूस्कार दिया जाऐगा। इस अवसर पर प्रधान प्रतिनिधी रामखिलाडी जाटव,सुमरन गुर्जर झालाटाला,राहुल मीणा,बबलू कंचनपुरा,रॉकी सिंह पथैना आदि मौजूद रहे।

नीट परीक्षा में बायोमेट्रिक से परीक्षार्थियों को दिया प्रवेश

महिला परीक्षार्थियों के कंगन, कड़ा, चुडिया, हेयर बैंड, क्लेचर, दुप्पटा आदि उतरवाये

पुरुष परीक्षार्थियों के जूते ,फूल बाजू की शर्ट, कडा, घडी, इलेक्ट्रॉनिक सामान खुलवाने के बाद दिया प्रवेश

राजस्थान की राजनीति

दौसा (विष्णु आशीर्वाद)। दौसा जिला मुख्यालय पर नीट की परीक्षा रविवार को आयोजित की गई । इसमें नीट की परीक्षा के लिए दौसा जिला मुख्यालय पर 7 परीक्षा केंद्र बनाए गये 7 परीक्षा केन्द्रो पर 3312 परीक्षार्थी पंजीकृत है। जो पिछली बार से करीब 648 परीक्षार्थी अधिक है। नीट की परीक्षा एक पारी में आयोजित की गई। जिसमें दोपहर 2:00 बजे से लेकर शाम 5:20 तक परीक्षा का आयोजन किया गया । सभी परीक्षा केंद्र पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। परीक्षा केंद्र के अंदर किसी भी बाहरी व्यक्ति को प्रवेश नहीं दिया गया । परीक्षार्थी को परीक्षा समय से 1 घंटे पूर्व तक सेंटर पर पहुंचना अनिवार्य किया गया। वहीं नीट की परीक्षा में इस बार बायोमेट्रिक से परीक्षार्थियों को अंदर प्रवेश दिया जा रहा है।परीक्षार्थियों को जांच के बाद ही परीक्षा केंद्र में प्रवेश दिया । परीक्षा केंद्र पर सुबह से ही परीक्षार्थी पहुंचना शुरू हो गए थे। महिला परीक्षार्थियों के कंगन कड़ा चुडिया हेयर बैंड क्लेचर दुप्पटा आदि उतरवाने के बाद ही परीक्षा केंद्र प्रवेश दिया गया है। तो वही पुरुष परीक्षार्थियों के जूते ,फूल बजी की शर्ट कडा घडी इलेक्ट्रिक सामान खुलवाने के बाद ही प्रवेश दिया है।

भारत-पाक बॉर्डर पर बीएसएफ जवान ने किया सुसाइड, बीएसएफ चौकी परिसर में पेड़ से लटका मिला शव

जैसलमेर

जैसलमेर में भारत-पाकिस्तान सीमा पर तैनात सीमा सुरक्षा बल के एक जवान ने रविवार को फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। सूचना पर बीएसएफ के अधिकारी और तनोट थाना पुलिस मौके पर पहुंची। घटना जैसलमेर से करीब 140 किलोमीटर दूर बबलीयानवाला पोस्ट की है। तनोट थाना पुलिस ने बताया कि दोरांग, आसाम निवासी मुकंदा डेका (57) बीएसएफ में कॉन्स्टेबल के पद पर बबलीयानवाला पोस्ट पर तैनात थे। जवान ने सीमा चौकी में पेड़ से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। रविवार सुबह डेका को फंदे से लटकते देख जवानों ने बीएसएफ के अधिकारियों को बताया। मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने तनोट थाना पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जवान के शव को पेड़ से उतारकर रामगढ़ हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाया। मृतक के परिजनों को सूचित कर दिया गया है। उनके आने के बाद शव का पोस्टमॉर्टम करवाया जाएगा। हालांकि अभी तक सीमा सुरक्षा बल के अधिकारियों ने खुदकुशी के कारणों को लेकर कुछ भी जानकारी नहीं दी है। जांच के बाद ही कारणों का खुलासा हो पाएगा। जवान के साथियों ने बताया कि डेका 3 साल बाद रिटायर होने वाले थे। फरवरी महीने में ही छुट्टी काटकर घर से आए थे। बहुत ही मनमौजी स्वाभाव के थे। बबलीयानवाला पोस्ट पर वो जनरेटर ऑपरेट करने का काम करते थे और जनरेटर रूम में ही रहते थे। जनरेटर रूम के पीछे लगे पेड़ से ही फंदा लगाया था। साथी जवान के सुसाइड करने से बीएसएफ के अन्य जवान सकते में हैं।

विधायक हनुमान बेनीवाल पर मुकदमा दर्जः मतदान के बाद कुचेरा में सभा करने का मामला

नागौर

लोकसभा चुनावों में नागौर से इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी, रालोपा प्रमुख व खींवसर विधायक हनुमान बेनीवाल पर कुचेरा पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज हुआ है। लोकसभा चुनाव के मतदान वाले दिन शाम को हनुमान बेनीवाल ने समर्थकों के साथ विवाद को लेकर कुचेरा में घेराव व सभा की थी। इस संबंध में भाजपा प्रत्याशी डॉ. ज्योति मिर्धा ने आचार संहिता के दौरान लागू धारा 144 के उल्लंघन को लेकर चुनाव पर्यवेक्षक रिपुदमन सिंह ढिल्लो को शिकायत दी थी। शिकायत में लिखा गया था कि मतदान के दौरान दो पक्षों में हुए विवाद के बाद रालोपा प्रत्याशी हनुमान बेनीवाल ने समर्थकों के साथ कुचेरा बस स्टैंड पर आम सड़क पर बिना अनुमति सभा की। शिकायत की जांच के बाद जिला निर्वाचन अधिकारी जिला निर्वाचन अधिकारी अरूण कुमार पुरोहित के निर्देश पर कुचेरा थानाधिकारी मुकेश कुमार ने मुकदमा दर्ज करवाया है। कुचेरा के कसनाऊ रोड निवासी कैलाश मिर्धा ने भी धारा 144 के उल्लंघन की शिकायत जिला निर्वाचन अधिकारी से की थी। हनुमान बेनीवाल वर्तमान में खींवसर विधानसभा सीट से विधायक हैं, इसलिए मामले की आगे की जांच सीआईडी सीबी करेगी। कुचेरा थानाधिकारी मुकेश कुमार ने आईपीसी की धारा 143, 147, 188 और धारा 283 के तहत हनुमान बेनीवाल के विरूद्ध गैरकानूनी सभा करने, बल व हिंसा का प्रयोग करने, सार्वजनिक रास्ता रोकने, आचार संहिता का उल्लंघन करने का मुकदमा दर्ज करवाया है। मूल एफआईआर जिला पुलिस अधीक्षक नागौर के जरिए सीआईडी सीबी जयपुर को अनुसंधान के लिए भेजी गई है।

अवैध हथियार सप्लाई करने वाला युवक गिरफ्तार

बाड़मेर

बालोतरा जिले की समदड़ी पुलिस ने अवैध हथियारों की सप्लाई करने वाले आरोपी युवक को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया है। टीम ने 12 दिन पहले अवैध हथियार के साथ एक युवक को पकड़ा था, जिसने पूछताछ में उदयपुर निवासी से हथियार लाना बताया था। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। दरअसल, 22 अप्रैल को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली की रानी देशीपुरा रोड समदड़ी बाइपास पर एक युवक अवैध हथियार लेकर घूम रहा है। इस पर थाने से हेड कॉन्स्टेबल परशुराम मय पुलिस जाब्ता बाइपास पर पहुंचे। संदिग्ध युवक को पकड़कर पूछताछ की गई। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर उसकी तलाशी ली गई। उसके पास से एक देशी पिस्टल बरामद हुई। पुलिस ने उसे दस्तयाब कर अवैध हथियार को जब्त कर लिया। युवक बाबूलाल पुत्र पदमाराम निवासी सनावड़ा के खिलाफ आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पूछताछ में युवक बाबूलाल ने अवैध हथियार प्राबीर(19) पुत्र सरोजित निवासी खाम पुलिस थाना बेकरिया जिला उदयपुर से लाना बताया। समदड़ी थानाधिकारी गीता कुमारी ने बताया- आरोपी प्राबीर पहले के मामलों में बाली, पाली की जेल में बंद था। पुलिस प्रोडक्शन वारंट पर उसको गिरफ्तार करके बालोतरा समदड़ी लेकर आए। वहीं आरोपी प्राबीर से अवैध हथियार की खरीद-फरोख्त को लेकर पूछताछ कर रही है। कार्रवाई में हेड कॉन्स्टेबल परशुराम, कॉन्स्टेबल भरत शामिल रहे। पुलिस पूछताछ व आरोपी के क्राइम रिकॉर्ड खंगालने पर सामने आया कि आरोपी के साइबर क्राइम का मामला प्रतापगढ़ में दर्ज है। वहीं एनडीपीएस का मामला नाणा जिला पानी में दर्ज है। अब पुलिस कड़ी से कड़ी मिलाकर अवैध हथियार कहां से सप्लाई हुई थी। इसका पता लगाने में जुट गई है।

सवाई माधोपुर में नगर पालिका ने हाईकोर्ट के आदेशों की उड़ाई धज्जियां, निजी रंजिश के चलते तोड़ी पान की दुकान

सवाईमाधोपुर।

इन दिनों देशभर में बुलडोजर की कार्रवाई सुर्खियों में है। ऐसा ही एक मामला राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले से भी सामने आया है, जहां एक 50 वर्ष पुरानी पान की दुकान को निजी रंजिश के चलते नगर पालिका प्रशासन के बुलडोजर से तुड़वा दिया गया। बता दें आज जिले में नगर पालिका प्रशासन ने हाईकोर्ट के आदेशों के अवहेलना करते हुए हवामहल पान भंडार नाम की दुकान पर एकतरफा कार्रवाई की है।

हाईकोर्ट के आदेशों की अवहेलना

दरअसल, सवाईमाधोपुर में वर्षों पुरानी दुकान को तोड़ने का मामला सामने आया है। जहां हवामहल पान भंडार नाम की दुकान पर नगर पालिका प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए तोड़ दिया। बताया जा रहा है कि नगर पालिका प्रशासन को हाईकोर्ट द्वारा दुकान नहीं हटाने का आदेश मिल चुका है। वहीं इस मामले में ये भी कहा जा रहा है कि दुकान मालिक द्वारा

समय-समय पर शुल्क देने के बाद भी यह कार्रवाई की गई है। दुकान मालिक का कहना है कि नगर पालिका प्रशासन ने हाईकोर्ट के आदेशों की अवेहलना की है।

इसके अलावा बिना किसी दुकान मालिक का नगर पालिका प्रशासन पर आरोप है कि बिना कोई नोटिस और पूर्व सूचना के दुकान पर बुल्डोजर चला दिया। उनका कहना है

कि पालिका प्रशासन ने मनमानी करते हुए यहा कार्रवाई की है। वहीं उन्होंने सवाल किया कि सिर्फ एक ही दुकान पर क्यों बुल्डोजर चलाया गया।

जिम्मेदार लोग चुप्पी साधे हुए

अब सवाल उठ रहा है कि आखिर किस के इशारे पर नगर पालिका ने एक आम नागरिक का रोजगार छीना है? वहीं इस कार्रवाई के बाद अब जिम्मेदार अधिकारी जवाब देने से बचते नजर आ रहे है। ये भी जानकारी मिली है कि इस कार्रवाई के दौरान राज्य सरकार के मंत्री किरोड़ी लाल मीणा खुद मौके पर मौजूद थे। बताया गया है कि ये पूरी कार्रवाई मंत्री मीणा के सामने ही हुई है, फिर भी मंत्री क्यों इस मामले में चुप्पी साध रहे, ये समझ से परे है। बता दें आसपास की जनता भी इस कार्रवाई से नाराज दिखी और मंत्री मीणा से सवाल कर रही है, आखिर क्यों आमजन की रोजी-रोटी पर चलाया गया बुलडोजर? आखिर मंत्री जी को क्या नाराजगी, जो दिखाई निजी रंजिश? क्या निजी स्वार्थ के लिए 'नेताजी' ने ताक में रख दिए सारे कायदे कानून? क्या हाईकोर्ट के आदेशों को भी हवा कर बैठे मंत्री और पालिका अधिकारी? इस कार्रवाई के बाद ऐसे ही कई सवाल खड़े हो रहे हैं, जिसका जवाब मंत्री किरोड़ी लाल मीणा देते हैं या नहीं, ये देखने वाली बात होगी।

क्रिकेट मैचों पर सट्टा लगाते बुकी पकड़े, टेबलेट, लेपटॉप, मोबाइल फोन सहित कई सामान बरामद

श्रीगंगानगर

पुलिस ने आईपीएल मैचों पर सट?टा लगाते तीन थाना क्षेत्रों से बुकी पकड़े। ये सभी क्रिकेट मैच पर सट?टा लगवा रहे थे। पुलिस टीम ने डीएसटी के सहयोग से पहले टेक्निकल सपोर्ट लेकर इन इलाकों को आइडेंटिफाई किया और फिर जब इन इलाकों में बुकी चलाए जाने के पुख्ता सबूत मिले तो एक साथ कार्रवाई की गई। कार्रवाई जिले के पदमपुर थाना क्षेत्र, जवाहर नगर थाना क्षेत्र में दो जगह और कोतवाली थाना क्षेत्र में हुई। चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इन चारों के पास लैपटॉप, मोबाइल फोन, एलईडी, हिसाब किताब के रजिस्टर सहित कई सामान बरामद हुआ है। पुलिस की अलग-अलग टीमों ने यह कार्रवाई की। पदमपुर पुलिस ने कस्बे के वार्ड दो निवासी रवि कुमार पुत्र हरिचंद को गिरफ्तार किया। पुलिस को इस इलाके में सट?टा चलने के पुख्ता सबूत मिले थे। उसके पास से एक लैपटॉप, एक टैबलेट, पांच मोबाइल फोन, क्रिकेट बुकी का हिसाब लिखे दो रजिस्टर,एक एलईडी, एक सेटटॉप बॉक्स,चार रिमोट, एक मोडेम, एक कैल्क्यूलेटर और एक मोबाइल चार्जर व अन्य सामान बरामद हुआ। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। इसी तरह जवाहर नगर थाना पुलिस की टीम ने श्रीगंगानगर की इंदिरा कॉलोनी गली नंबर छह में राजेंद्र छाबड़ा पुत्र मिलखराज के पास से पांच मोबाइल, एक रजिस्टर व कुछ अन्य सामान बरामद किया। राजेंद्र मौके से फरार होने में कामयाब हो गया। इसी थाना क्षेत्र में पुलिस टीम ने एक अन्य कार्रवाई करते हुए शिव कॉलोनी निवासी रोहित उर्फ रूबी व अशोक नगर ए निवासी मोहित सोनी पुत्र सोहनलाल को गिरफ्तार किया। उनके पास दो मोबाइल फोन, एक हजार रुपए, एक एलईडी, एक सीपीयू, एक सेटटॉप बॉक्स और दो रजिस्टरों में लिखा हिसाब-किताब बरामद हुआ। इसी तरह पुलिस ने कोतवाली थाना क्षेत्र में गौरव मिड?ढा पुत्र ओम प्रकाश को गिरफ्तार किया। गौरव के कब्जे से चार मोबाइल फोन, एक लैपटॉप, हिसाब-किताब के चार रजिस्टर, एक कैलक्यूलेटर, एक एलईडी, एक डिश सेटअप बॉक्स, पावर केबल, 1100 रुपए व कुछ अन्य सामान बरामद किया।

मां के सामने ट्रक ने बच्चे को कुचला, पांच घंटे तक सड़क पर पड़ा रहा शव, ग्रामीणों ने लगाया जाम

बूंदी

ईंटों से लदे ट्रक ने मां के सामने 12 साल के बच्चे कुचल दिया। इसके बाद करीब 50 मीटर तक घसीटते हुए ले गया। बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में बच्चे की मां और मामा भी गंभीर रूप से घायल हो गए। बच्चे की मां पीहर से बेटे और भाई के साथ बाइक पर अपने घर जा रही थी। घटना बूंदी के लाखेरी में सुभाष नगर चौराहे के पास रविवार सुबह सवा आठ बजे हुई। हादसे के बाद ग्रामीणों ने बूंदी-लाखेरी हाईवे पर जाम लगा दिया। ग्रामीणों का आरोप था कि पुलिस ने घटना के बाद ट्रक को बदल दिया। पुलिस और प्रशासन ने दुर्घटना करने वाले वाहन चालक के खिलाफ कार्रवाई करने व ट्रक बदलने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ एक्शन लेने तथा मुआवजा दिलाने का आश्वासन देकर करीब साढ़े पांच घंटे बाद जाम खुलवाया। लाखेरी थाना पुलिस ने बताया कि पापड़ी निवासी अंजू प%ी मुरली अपने बेटे अभिजीत (12) के साथ भतीजे के बर्थडे पर अपने पीहर उतराना गई थी। रविवार सुबह भाई बाबूलाल और बेटे अभिजीत के साथ बाइक से अपने घर पापड़ी जा रही थी। बाइक बाबूलाल चला रहा था। सुभाष नगर चौराहे के पास ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। ट्रक में फंस कर अभिजीत दूर तक घीसटता गया। कुचलने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। अंजू और बाबूलाल को गंभीर हालत में कोटा रेफर किया गया। अभिजीत ने हाल ही में 5वीं की परीक्षा दी थी। वह अपने माता-पिता की इकलौती संतान था। उसके पिता ड्राइवर हैं और मां विकलांग है, जो प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रही है। हादसे के बाद सुबह सवा आठ बजे के गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने शव उठाने से इनकार करते हुए ठोस कार्रवाई और मुआवजे की मांग को लेकर बूंदी-लाखेरी रोड पर जाम लगा दिया। सूचना पर डीएसपी दिलीप मीणा और एसडीएम कैलाश चंद मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों से समझाइश की लेकिन ग्रामीणों ने शव उठाने से इनकार कर दिया प्रदर्शन कर रहे लोगों ने पुलिस पर टक्कर मारने वाले ट्रक की जगह अन्य ट्रक को पकड़ने का आरोप लगाया। मृतक के परिजन सोनू ने बताया कि पुलिस ने पहले दूसरा ट्रक पकड़ लिया।

खेत में खुदाई के दौरान मिली प्राचीन मूर्तियां, 15 फीट नीचे पत्थरों से बना पक्का फर्श!

चूरू

राजस्थान के चुरू जिले में खेत की खुदाई के दौरान प्राचीन मूर्तियां और बर्तन मिलने का मामला सामने आया हैं। इस दौरान खुदाई में पत्थर की टंकी, पत्थर के बर्तन, देव प्रतिमाएं समेत कई चीजे निकली हैं। यह सब एक खेत में जेसीबी से खुदाई के दौरान निकले हैं। इतना सब कुछ निकलने के बाद लोगों ने खुदाई को बंद करवा दिया हैं। इधर, खुदाई से ग्रामीणों में कौतूहल हो गया हैं।

ट्रैक्टर से खेत जोतने पर लगा मामले का पता

मामला सादुलपुर तहसील के कामण गांव का है, जहां राजवीर सिंह के खेत में खुदाई में पत्थर की मूर्तियां, बर्तन आदि निकले हैं। जानकारी के अनुसार, खेत में ट्रैक्टर से जुताई के दौरान किसी बड़े पत्थर से टकराने की आवाज आई। इस पर ट्रैक्टर चालक को शंका हुई। उसने खेत मालिक को बुलाकर सूचना दी। इस पर खेत मालिक राजवीर ने दो-तीन लोगों के साथ खुदाई की शुरुआत की। इसमें बड़े-बड़े पत्थरों से बनी हुई आकृतियां दिखाई दीं। इसके बाद जेसीबी मशीन से खुदाई शुरू की गई। खुदाई के दौरान बड़े-बड़े पत्थर और एक देव प्रतिमा। एक पत्थर का बना बड़ा पशुचारे का बर्तन भी निकला। इस दौरान लगभग 10-15 फीट की गहराई के बाद जमीन नजर आने लगी। तब खुदाई बंद कर दी गई। जेसीबी मशीन से लगभग 2 घंट तक खुदाई हुई। इसमें बड़े बड़े पत्थरों से बना कुएं जैसी दिखाई देने वाली जगह पर 10 से 15 फीट के बाद पक्के फर्श नजर आए।

लोगों का अनुमान पहले कोई बस्ती रही होगी

खेत में खुदाई के दौरान मिले अवशेषों को देखकर लोगों का मानना है कि सैकड़ों वर्षों पहले यहां कोई मनुष्य परिवार या लोगों की बस्ती रही होगी। इसी कारण यहां जो अवशेष मिले हैं, वह यही इंगित करते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि इस जगह पर किसी कांड कुंड होने का अनुमान है। खुदाई के दौरान पत्थरों को कुएं की शक्ल देने वाली देव प्रतिमा की उपस्थिति और बड़े पत्थर के बने हुए बर्तन निकलने से ग्रामीणों में कौतूहल का विषय बन गया है।

कोटा से हुआ इंडियन कोस्ट गार्ड की परीक्षा में फर्जीवाड़ा, झुंझुनूं की कोचिंग का मालिक है मास्टरमाइंड

कोटा

इंडियन कोस्ट गार्ड की परीक्षा सीजीपीईटी में फर्जीवाड़े का मास्टरमाइंड राजस्थान का एक कोचिंग संचालक है। पिछले महीने 20 और 21 अप्रैल को देशभर में नाविक की पोस्ट के लिए परीक्षा हुई थी। एग्जाम के करीब 9 दिन बाद कोटा में शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार किए 6 आरोपियों से पूरे फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ। इन्होंने ही झुंझुनूं के चिड़ावा में कोचिंग चला रहे मास्टरमाइंड की भी जानकारी दी। यह कोचिंग आर्मी के अलग-अलग एग्जामों की तैयारी करवाती है। आरोपी कोचिंग संचालक अभी फरार है। दरअसल, शहर के आईटी पार्क के पास पुलिस ने 30 अप्रैल को छह युवकों को शांतिभंग के आरोप में पकड़ा था। युवकों के मोबाइल की जांच में कई स्टूडेंट के परमिशन कार्ड मिले थे। सख्ती से पूछताछ करने पर उन्होंने एग्जाम के फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ। मास्टरमाइंड कोचिंग संचालक ने पेपर सॉल्व, कंप्यूटर को रिमोर्ट एक्सेस पर लेने और अभ्यर्थियों के कंप्यूटर हैक करने के लिए अलग-अलग टीम लगा रखी थी। कोटा के विज्ञान नगर थाना पुलिस ने मामले में अशोक जाट (38) निवासी बांगड़वा थाना हमीरवास तहसील राजगढ़ (चूरू) और संदीप बुडालिया (29) बरालू ,थाना लोहारू, भिवानी (हरियाणा) थे। इनके अलावा प्रतीक गजराज (24) निवासी पालोता, थाना सिंघाना, झुंझुनूं, रणवीर सिंह (32) निवासी काटधनोरी, झुंझुनूं, अशोक (29) निवासी गोपाल की ढाणी, थाना पचेरी, झुंझुनूं और राहुल जाखड़ (21) धमोरा थाना गुढ़ागौड़जी, झुंझुनूं को पकड़ा था। इस खेल का मास्टरमाइंड अमित भास्कर है, जो चिड़ावा में बोधायन नाम से कोचिंग सेंटर का मालिक है। वह कोचिंग में कॉम्पिटिशन एग्जाम (इंडियन आर्मी,इंडियन कोस्ट गार्ड, सिविल एग्जाम) की तैयारी करवाता है। उसकी तलाश की जा रही है। एडिशनल एसपी नियति शर्मा ने बताया कि सभी आरोपी मास्टरमाइंड अमित भास्कर से पिछले दो साल से संपर्क में थे। गिरफ्तार आरोपी रणवीर अमित भास्कर की कोचिंग में फिजिक्स, अशोक मैथ्स, अशोक जाट जीके पढ़ाता है। एक आरोपी राहुल स्टूडेंट है जो कॉम्पिटिशन की तैयारी कर रहा है। मास्टर माइंड ने पेपर सॉल्व करने के लिए कोटा के आईटी पार्क के पास स्थित कंप्यूटर लैब को किराए पर लिया था। हालांकि का कोटा में सेंटर नहीं था। आरोपी युवकों ने यहां लैब में बैठकर पेपर सॉल्व किया था। आरोपियों ने बताया कि कंप्यूटर को हैक करने और लैब में कंप्यूटर को रिमोर्ट एक्सेस व ऐप डाउनलोड करने के लिए अलग टीम काम कर रही थी, जिनका काम के हिसाब से कमीशन सेट था। उनका पेपर सॉल्व करने का काम था।

भाई की जगह नीट एग्जाम देने आया अभ्यर्थी पकड़ा, दोनों को किया गिरफ्तार

बाड़मेर

बाड़मेर जिला मुख्यालय पर अंतरीदेवी स्कूल एग्जाम सेंटर में नीट यूजी 2024 के एग्जाम चल रहे थे। वहा पर कार्यरत वीक्षक को एक परीक्षार्थी संदिग्ध लगने पर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने पकड़कर पूछताछ की तो अभ्यर्थी भागीरथराम ने भाई की जगह एग्जाम देना स्वीकार किया। पुलिस ने फर्जी परीक्षार्थी और उसके भाई को गिरफ्तार किया है। फिलहाल पुलिस ने दोनों भाईयों से पूछताछ कर रही है। सामने आया है कि फर्जी अभ्यर्थी जोधपुर मेडिकल कॉलेज का फर्स्ट ईयर का स्टूडेंट है। दरअसल, नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की ओर से देश की सबसे बडी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी, 2024 रविवार को पेन-पेपर मोड में आयोजित की गई। पुलिस के अनुसार बाड़मेर जिले में 8 एग्जाम सेंटरों पर नीट यूजी 2024 एग्जाम हुए। इसमें हायर सेकेंडरी गर्ल्स स्कूल के प्रिंसिपल ने पुलिस को सूचना देकर बताया कि एक अभ्यर्थी फर्जी निकला है। सेंटर वीक्षक को संदिग्ध लगा तो उसकी जांच की गई तो वह फर्जी अभ्यर्थी पाया गया। इस पर कोतवाली पुलिस स्कूल पहुंची। पुलिस ने संदिग्ध अभ्यर्थी से पूछताछ की तो भागीरथराम ने अपने छोटे भाई गोपालराम की जगह डमी अभ्यर्थी बनकर परीक्षा देना स्वीकार किया। इसके बाद कोतवाली पुलिस ने उसके छोटे भाई गोपालराम को दस्तयाब किया। बाड़मेर एएसपी जसाराम बॉस के मुताबिक नीट एग्जाम में भागीरथराम अपने छोटे भाई गोपालराम की जगह एग्जाम देने पहुंचा। प्रिंसिपल व वीक्षक को संदिग्ध लेने पर पुलिस को सूचना दी। पूछताछ में डमी अभ्यर्थी के रूप में एग्जाम देना स्वीकार किया है। पुलिस ने गीरथ राम विश्नोई निवासी मेघावा सांचौर व उसके भाई गोपालराम को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ की जा रही है।

डमी भागीरथराम मेडिकल कॉलेज का फर्स्ट ईयर का स्टूडेंट

पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में भागीरथ राम ने बताया कि उसने भी कई बार नेट की परीक्षा दी और वर्ष 2023 में नीट में उसका सलेक्शन हो गया और वह जोधपुर में एक मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस फर्स्ट ईयर का स्टूडेंट है। अब भाई को डॉक्टर बनने के लिए नीट की परीक्षा पास करने के लिए छोटे भाई के साथ डमी अभ्यर्थी बनकर परीक्षा देने पहुंचा था। फिलहाल पुलिस दोनों ही भाईयों से गहन पूछताछ करने में जुटी हुई है।

चिंतन

भारतीय क्षेत्र को अपना बताने का दुस्साहस नहीं करे नेपाल

नेपाल को कोई भी उकसावे वाले कदम नहीं उठाने चाहिए। चीनी प्रभाव में आकर भारत के प्रति किसी भी प्रकार का दुस्साहस नेपाल को ही भारी पड़ेगा। भारत प्रचीनकाल से नेपाल को सहयोग करता रहा है। दोनों देशों की संस्कृति भी एक है। नेपाल सांस्कृतिक, धार्मिक, राजनीतिक व सामाजिक रूप से भारत के बहुत करीब है। नेपाल की समूची अर्थव्यवस्था भारतीय सहयोग पर निर्भर है। इसलिए भारतीय क्षेत्र को अपने नोट में अंकित करना नेपाल की गरिमा के अनुरूप नहीं है। नेपाल ने जो नए नोट जारी किए हैं, जिन पर भारत के कुछ इलाकों को दर्शाया है, यह दुस्साहस ही है। नेपाल ने अपने नए नोटों में भारत के इलाकों-लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी को दर्शाया है। नेपाल अपनी विदेश नीति तय करने के लिए स्वतंत्र है, लेकिन उसे अपनी सामरिक ताकत के हिसाब से ही चीजें करनी चाहिए। भारत के साथ संबंध बिगाड़ कर नेपाल अपना ही नुकसान करेगा। नेपाल के सामने श्रीलंका के हश्र का उदाहरण है, मालदीव की चीनपरस्ती के नतीजे का भी उदाहरण है। चीन का रिकार्ड रहा है, जो भी देश उसके करीब गया, उसके हिस्से आर्थिक तबाही ही आई। पाकिस्तान भी अच्छा उदाहरण है। चीन अपनी विस्तारवादी महत्वाकांक्षा के चलते छोटे देशों की संप्रभुता का सम्मान कर ही नहीं पाता है। चीन के अपने 13 सीमाई पड़ोसियों से सीमा विवाद है, नेपाल भी चीनी चाल को देख चुका है, दक्षिण चीन सागर में चीनी मनमानी सबके सामने है, फिलिपींस के साथ अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में चीन केस हार चुका है, ताइवान के साथ चीन का तनाव चरम पर है, शिनझियांग, मकाऊ, तिब्बत आदि क्षेत्रों को चीन ने किस तरीके से अपने में मिलाया, यह उदाहरण भी नेपाल के सामने है, इसके बाद भी अगर नेपाल चीनी प्रभाव में आकर भारतीय क्षेत्र को अपने नोटों पर दिखाया है, तो यह उसके लिए आत्मघाती कदम है। भारत कतई बर्दाश्त नहीं करेगा कि नेपाल भारतीय क्षेत्रों को अपना दिखाने की बचकानी हरकत करे। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि पड़ोसी देशों के साथ रिश्ते बनाना जटिल होता है, अक्सर पड़ोसी देशों के साथ संबंधों में राजनीति का भी ध्यान रखना पड़ता है। जयशंकर का इशारा साफ है कि नेपाल किस तरह की राजनीति के तहत ऐसा कर रहा है। नेपाल में जब जब चीन समर्थित कम्युनिस्ट पार्टी की सरकार बनती है, भारत के खिलाफ दुष्प्रचार शुरू हो जाता है। इससे पूर्व में भी नेपाल ने अपने नक्शे में लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी को दिखाया था। उस वक्त भी चीनी प्रभाव में ऐसा किया था। भारत व नेपाल के बीच हुई संधि के तहत स्पष्ट है कि ये तीनों क्षेत्र भारत के अभिन्न अंग हैं, नेपाल को समझना चाहिए कि नक्शे में दिखा देने से या नोटों पर अंकित कर देने से भारत के क्षेत्र नेपाल के नहीं हो जाएंगे। भारत ने हमेशा कोशिश की है कि नेपाल को हरसंभव सहायता हमेशा मिलती रहे। नेपाल को अपनी कूटनीति के इतिहास को देखना चाहिए कि वह भारत के साथ किता सहज है, जबकि चीन ने नेपाल को कितना दंश दिया है। हिमालय क्षेत्र में चीन की अभी भी कई नेपाली हिस्से पर गिद्ध दृष्टि है। नेपाल की मंत्रिमंडल की बैठक में गत शुक्रवार को 100 रुपए के नोट पर नेपाल का नया राजनीतिक नक्शा छापने का फैसला किया गया है, जिसमें भारतीय इलाके लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी को नेपाल के क्षेत्र के रूप में दर्शाया गया है। भारत को यह कतई मंजूर नहीं है, भारत सरकार इस मसले पर राजयनयिक चर्चा कर रही है, पर नेपाल को संयम से काम लेना चाहिए, किसी के उकसावे में नहीं आना चाहिए। भारत के साथ कटुता नेपाल के लिए ही ठीक नहीं है।

एआई

उमेश चतुर्वेदी

तकनीक के प्रयोग की सीमा तय हो

> आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के गलत इस्तेमाल से अभी दुनिया जूझ ही रही थी कि इसका एक एक और चेहरा सामने आ गया। गृहमंत्री अमित शाह के फेक वीडियो के जरिए चुनावी माहौल को बीजेपी के विरोध में मोड़ने की कोशिश एआई के बेजा इस्तेमाल का उदाहरण है। आरक्षण हटाने को लेकर शाह के वीडियो को लेकर पुलिस सक्रिय हो गई है। अमित शाह का डीपफेक वीडियो बनाकर उसे पोस्ट किया गया, जिसके पीछे उनका मकसद अमित शाह को बदनाम करना था। एआई के प्रयोग ने न सिर्फ तकनीक, बल्कि राजनीति के विद्रूप चेहरे को उजागर किया है। यह भी जाहिर किया है कि तकनीक को एक सीमा के बाद काबू में रखा जाना चाहिए।

नामी हीरोइनों के डीप फेक फोटो के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के गलत इस्तेमाल से अभी दुनिया जूझ ही रही थी कि इसका एक एक और चेहरा सामने आ गया। गृहमंत्री अमित शाह के फेक वीडियो के जरिए चुनावी माहौल को भाजपा के विरोध में मोड़ने की कोशिश एआई के बेजा इस्तेमाल का उदाहरण है। आरक्षण हटाने को लेकर शाह के वीडियो को लेकर पुलिस सक्रिय हो गई है।

गृह मंत्री अमित शाह का 'डीपफेक' वीडियो कथित तौर पर शेयर करने के लिए मुंबई पुलिस ने महाराष्ट्र युवा कांग्रेस के सोशल मीडिया हैंडल और 16 अन्य लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। यह वह प्रौद्योगिकी है जिससे एक वीडियो में छेड़छाड़ कर किसी ऐसे व्यक्ति के चेहरे को उसमें फिट किया जाता है जो उस वीडियो का हिस्सा ही नहीं होता। इस तकनीक के माध्यम से बनाए गए वीडियो में असली और नकली का अंतर बता पाना मुश्किल होता है। इस फर्जी वीडियो में अमित शाह अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण अधिकारों को खत्म करने की घोषणा करते हुए कथित तौर पर नजर आ रहे हैं। अमित शाह के जिस भाषण से छेड़छाड़ की गई है, वह 25 अप्रैल का है। उस दिन वह तेलंगाना के मेडक जिले के सिद्दीपेट में भाजपा की चुनावी रैली में भाषण दिये थे। इस भाषण के वीडियो को कथित तौर पर छेड़छाड़ कर सोशल मीडिया पर शेयर किया गया था। फैक्ट चेक में ये वीडियो फेक साबित हुआ है। इसके बाद गृह मंत्रालय की शिकायत के आधार पर दिल्ली पुलिस कार्रवाई कर रही है। इस मामले में भाजपा की मुंबई इकाई के पदाधिकारी प्रतीक करपे ने भी सोमवार को बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में कहा गया है कि अमित शाह का डीपफेक वीडियो बनाकर उसे पोस्ट किया गया और इंटरनेट पर शेयर किया गया, जिसके पीछे आरोपियों का मकसद भाजपा नेता अमित शाह को बदनाम करना था। शिकायतकर्ता ने पुलिस से डीपफेक वीडियो को तुरंत हटाने और उन आरोपी व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का भी अनुरोध किया, जिन्होंने विभिन्न जातियों में दुश्मनी और नफरत पैदा करने के लिए इसे कथित तौर पर शेयर किया था। शिकायत के आधार पर महाराष्ट्र युवा कांग्रेस के सोशल मीडिया हैंडल और 16 अन्य लोगों के खिलाफ साइबर थाने में आईपीसी और आईटी एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। भारत आजादी की हीरक जयंती मना चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोगों से 2047 में देश के चहुंमुखी विकास की आए दिन बात करते हैं, लेकिन हमारी लोकतांत्रिक यात्रा को प्रौढ़ होना चाहिए था, लेकिन नहीं हो पाई। आज की राजनीति की ओर देखते हैं तो विनोबा की एक पंक्ति याद आती है। चारों तरफ सुराख ही सुराख हैं। आज की राजनीति के लिए सत्ता सबसे बड़ा लक्ष्य हो गई है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए वह हर तरह के काम करने को तैयार बैठी है। इस प्रक्रिया में वह न्यूनतम नैतिक आचरण की बुनियादी शर्त को भी झुठला रही है। इसमें वह आधुनिक तकनीक का सहारा भी ले रही है। मोटे तौर पर

देखें तो फेक बयान वाले वीडियो का मामला तकनीक की सीमाओं के विस्तार के साथ ही तकनीकी नैतिकता का सवाल भी उठाता है। इसे महान वैज्ञानिक आइंस्टाइन के सापेक्षिकता के सिद्धांत के जरिए समझ सकते हैं। अक्टूबर 1945 में दूसरे विश्व युद्ध के आखिर में अमेरिका ने जापान के नागासाकी और हिरोशिमा पर जिन अणु बमों को गिराकर मानवता को भयंकर नारकीय चोट पहुंचाई थी, उनके निर्माण का आधार आइंस्टाइन का सापेक्षिकता का सिद्धांत ही था। मानवता को कराहते देख आइंस्टाइन ने कहा था कि अगर वे जानते कि उनकी खोज से ऐसा नरसंहार हो सकता है तो वे इस खोज को दुनिया के सामने ही नहीं लाते। लोकतांत्रिक व्यवस्था मोटे तौर पर संवैधानिक नियमों से चलती है। हालांकि संविधान की शायद ही कोई किताब होगी, जिसमें नैतिकता का जिक्र हुआ है। नैतिक आचरण की परिभाषा भी नहीं दी गई है। इसके बावजूद गतिशील लोकतंत्र की बुनियादी शर्त नैतिकता और शुचिता को स्वीकार करना है। बेशक राजनीति दांवपेच का खेल है। आज दुनिया ने लोकतांत्रिक व्यवस्था को सबसे बेहतर शासन व्यवस्था के रूप में स्वीकार किया है। इसके बावजूद हकीकत यह भी है कि दुनियाभर में सियासी फायदे के लिए दांवपेच लगाए जाते हैं, लेकिन इस उठापटक के खेल में भी न्यूनतम नैतिकता की उम्मीद दुनियाभर के मतदाता अपने राजनेताओं से रखते हैं। स्वाधीनता आंदोलन की कोख से उपजी भारतीय राजनीतिक दुनिया की पहली पीढ़ी की नैतिकता, ईमानदारी और आचरण की पवित्रता से जुड़े तमाम किस्से हम सुनते-पढ़ते रहे हैं। गांधी जी की ओर जब हम देखते हैं तो पाते हैं कि वे अक्सर नई तकनीक का विरोध करते नजर आते हैं। उनका यह विरोध तकनीक के ऐसे ही नकारात्मक इस्तेमाल की आशंका के चलते था। यह आशंका रोजाना सही साबित हो रही है। एआई के इस्तेमाल से राजनीतिक परिदृश्य को प्रभावित करने की शायद यह पहली कोशिश है। अब तक अराजक तत्व दंगे फैलाने, गलत सूचनाओं को सही साबित करने आदि के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते रहे हैं, लेकिन एआई के जरिए फेक सूचना और बयान को तैयार करके सोशल मीडिया के जरिए प्रसारित करने का यह पहला मामला है। एआई से तैयार की जाने वाली सूचनाओं और बयान आदि की खासियत है कि ये हूबहू लगते हैं, लेकिन चूंकि मौजूदा दौर नैरेटिव को प्रसारित करने का है, वह गलत है या सही है, बाद की बात है। अमित शाह का फेक बयान एआई के जरिए तैयार करके प्रसारित करने का मकसद यह है कि जब तक उसकी सच्चाई सामने आए, अमित शाह चौंके, तब तक संदेश का नकारात्मक असर फैल चुका होगा। बहरहाल इस मामले की पुलिस जांच कर रही है। पुलिस ने जिस तरह राजनीति की दुनिया की बड़ी हस्तियों को जांच में शामिल होने के लिए समन भेजा है, उसे लेकर राजनीति होनी शुरू हो गई है, लेकिन यह भी सच है कि अगर एआई के इस बेजा और फेक इस्तेमाल में बड़ी मछलियां फंसी तो भारतीय राजनीतिक तंत्र के इतिहास में यह बड़ा मामला होगा। राजनीतिक नैतिकता की गिरावट का भी यह बड़ा उदाहरण होगा।

राजनीति की दुनिया नैतिकता की सबसे ज्यादा बात करती है। चूंकि फेक बयान के मामले में शक राजनीति पर ही है और प्रभावित राजनीति ही है, इसलिए उम्मीद की जानी चाहिए कि एआई के उपयोग को वैधानिक दायरे में बांधने और उसे नैतिक बनाने की कानूनी कोशिश राजनीति ही करेगी। एआई के इस्तेमाल को इसे नियम संयत बनाने और बेजा इस्तेमाल करने वालों के लिए समुचित दंड की व्यवस्था इस उदाहरण के बाद मदद मिलेगी। एआई के प्रयोग ने न सिर्फ तकनीक, बल्कि राजनीति के भी विद्रूप चेहरे को उजागर किया है। यह भी जाहिर किया है कि तकनीक को एक सीमा के बाद काबू में ही रखा जाना तो चाहिए ही, उसे नैतिकता के दायरे में भी कहीं ज्यादा कसा जाना चाहिए।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

सारा संसार

भगवान विष्णु को समर्पित और 108 दिव्य देसमों में से एक, उलगलांथर पेरुमल मंदिर, कांचीपुरम शहर में कामाक्षी अम्मन मंदिर के बहुत पास स्थित है। मंदिर महान ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व रखता है।

जीवन ऊर्जा पर करें मन को केंद्रित

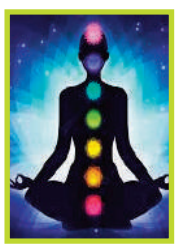

संकलित

दर्शन

बुद्धिमान व्यक्ति इस ब्रह्मांड, इस संसार से परे चले जाते हैं और अमरत्व को प्राप्त कर लेते हैं। लेकिन कैसे? वस्तुतः हमारे भीतर कुछ ऐसा होता है, जो कभी नहीं मरता, जो कभी बूढ़ा नहीं होता। इस बारे में प्रत्येक व्यक्ति अपने ढंग से सोचता है। अगर आप देखें तो छोटे बच्चे बड़े हो रहे हैं और स्थितियां भी बदल रही हैं, लेकिन कई बार आप महसूस करते हैं कि आप नहीं बदल रहे हैं। कुछ लोग कहते हैं- मैं तो बूढ़ा हुआ ही नहीं/हुई ही नहीं। भीतर से आपको महसूस होता है कि सिर्फ समय बीता है, आपमें कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। यह सच भी है, क्योंकि आपके भीतर एक ऐसा अंश है, जो न तो बदलता है और न ही मरता है। यही एक दूसरी दुनिया है, जहां अमरत्व है। मृत्युलोक वह है, जहां सब कुछ बदल जाता है। मृत्यु का अर्थ है परिवर्तन या क्षय। आप इस नाशवान संसार से अमरत्व, अपरिवर्तनशील संसार, शाश्वत-आत्मा की ओर मुड़ जाते हैं, जो आपके भीतर है। आपके मन के पीछे है। आत्मा वह नहीं है, जिसे आप देख सकें, बल्कि वह है, जिसे आप अपने भीतर महसूस करते हैं। यह प्राणों का प्राण है। जब प्राण उच्च स्तर में होता है, तब आप हर परिस्थिति में मुस्कुरा सकते हैं। आप अपनी दैनिक गतिविधियों में प्राण ऊर्जा को खर्च करते हैं। यदि आप प्राण की कमी को पूरा किए बिना प्राण को खर्च करते रहते हैं, तब आपको अवसाद घेर लेता है। जीवन विरोधी चिह्न शरीर में उत्पन्न होने लगते हैं।

तुलसीदास ने स्त्री को पुरुष में बदला

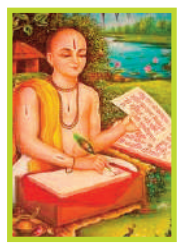

संकलित

प्रेरणा

चरवारी के ठाकुर की लड़की जो कि बहुत ही सुन्दरी थी। इसके माता पिता को बहुत प्रयास करने पर पुत्र प्राप्त नहीं हुआ, पुत्री हो गयी। उन्होंने सबसे यह बात छुपाकर रखी कि हमें पुत्री हुई है। उन्होंने बचपन से ही उस पुत्री को पुरुष जैसे कपड़े पहनाएं, बोलचाल भी लड़के जैसे सीखा रखी थी। जब विवाह का समय आया तो माँ बाप ने सत्य बात किसी से कही नहीं, क्योंकि उनकी इज्जत पानी में मिल जाती। अब उनकी पुत्री जिसे उन्होंने पुरुष की तरह बनवा रखा था, उसका विवाह एक स्त्री के साथ हो गया। विवाह के बाद सच सामने आ गया कि यह तो स्त्री है, ना कि कोई पुरुष। परंतु विवाह हो चुका था, लोग करते भी क्या? स्त्री का विवाह स्त्री से हो गया। एक दिन जब गोस्वामी जी उधर से निकले, तब लोगों ने उन्हें घेर लिया और प्रार्थना की कि इस कन्या की रक्षा कीजिए। गोस्वामी जी ने श्री रामचरितमानस का नवाह पाठ किया और वह स्त्री से पुरुष बन गयी। यह देखकर गोस्वामी जी का शरीर पुलकित हो गया और उनके मुंह से अतर्कित ही जय-जय सीताराम निकल गया। परिवार को साथ लोग भी खुश हो गए। परिवार ने गोस्वामी जी का बहुत उपकार माना, जिन्होंने उनकी पुत्री को लड़का बना दिया। परिवार की भी बात रह गई।

सियासत

राजेंद्र बज

जाति आधारित राजनीति चिंताजनक

बहुत ही सुलझी हुई विचारधारा के साथ राष्ट्रनायकों ने समाजवादी परिकल्पना को साकार करने के निमित्त आर्थिक तथा शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्ग के कल्याण हेतु संवैधानिक रूप से विशेष प्रावधान किए। तत्कालीन देश काल और परिस्थिति के संदर्भ में यह कदम सर्वथा स्वागतयोग्य था। कालांतर में समर्पित तथा सुरक्षित मतदाता के रूप में लाभान्वित वर्ग को साधने और साधे रखने का राजनीतिक सिलसिला चल पड़ा। परिणामस्वरूप अल्पकालिक नीति को राजनीतिक स्वार्थसिद्धि के चलते बार बार दोहराया गया। वंचित वर्ग की घुटन, घुटन की अति से विस्फोटक रूप लेने लगी। मामला दो और दो चार की तरह स्पष्ट है। दरअसल सर्वहारा वर्ग के संपूर्ण कल्याण की पवित्र भावनाओं के साथ उठाए गए कदम का कोई विरोध नहीं था, लेकिन सत्ता के लिए की जाने वाली राजनीति के कर्णधारों ने समाज और समाज में अंतर की खाई को गहरा कर दिया। बेहतर होगा यदि राजनीतिक और सामाजिक प्रयासों से इस विषयक विरोधाभासों को दूर किए जाने के प्रयास किए जाएं। अन्यथा वर्ग संघर्ष का दंश विकसित भारत की राह में बाधक सिद्ध हो सकता है। अनेकता में एकता का हमारा सामाजिक तानाबाना, परस्पर सामाजिक सौहार्दपूर्ण वातावरण से परिपूर्ण रहा है, लेकिन निकृष्ट राजनीति के चलते परस्पर सामाजिक सद्भाव दांव पर लगता जा रहा है। इस संदर्भ में बद से बदतर स्थिति का आलम यह है कि जातिगत तथा वर्गीय आधार पर राजनीतिक संगठन गठित होने लगे हैं। यह निश्चित है कि यह संगठन आम नागरिकों के कल्याणार्थ क्रियाशील नहीं रहेंगे अपितु अपनी जाति या वर्ग के उत्थान को ही प्राथमिकता देंगे। कालांतर में जातिवादी राजनीतिक दलों की राजनीति तथाकथित अनेकता में एकता को तार-तार कर रख देगी। दरअसल समय रहते जाति व वर्गवाद की राजनीति को हतोत्साहित किए जाने की आवश्यकता है। कुल मिलाकर सकारात्मक दृष्टिकोण से समुदाय विशेष के सर्वांगीण विकास हेतु सामाजिक ध्रुवीकरण के प्रयास स्वागत योग्य होते हैं। किंतु नकारात्मक मानसिकता के आधार पर सामाजिक संगठनों की राजनीति अत्यंत घातक सिद्ध होती है। नीति और सिद्धांतों पर आधारित राजनीति बीते समय की बात हो गई है। अलग-अलग जाति व वर्ग द्वारा अलग-अलग महापुरुषों को अपनी जाति व वर्ग का महानायक मान लिया गया है। प्रकारांतर से अलग-अलग समूह द्वारा अलग-अलग महापुरुषों का बंटवारा कर लिया गया है। यह स्थिति अत्यंत चिंता का विषय है। बेहतर हो यदि राजनीतिक दलों के आचरण एवं व्यवहार में भारतीय संविधान की मूल अवधारणा के अनुरूप आत्मसात की गई भावना स्पष्ट तौर पर दिखाई दे। इतिहास साक्षी है कि विभाजित समाज सशक्त राष्ट्र की परिकल्पना को साकार सिद्ध नहीं कर सकता। दरअसल सामाजिक ढांचे को कुछ ऐसा गढ़ना होगा कि हर किसी के लिए कुछ कर गुजरने के समान अवसर उपलब्ध हो। निश्चित रूप से ऐसी ही कुछ परिकल्पना उन्होंने भी की होगी जिन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में तन मन धन से आहुति दी। बदलते संदर्भ में राजनीति के तौर तरीकों में भी आमूलचूल परिवर्तन करना होगा। अंग्रेजों की नीति अपनाने से क्षणिक राजनीतिक लाभ हो सकता है, लेकिन इसके दूरगामी परिणामों के मद्देनजर सामाजिक एकता और अखंडता के ताने-बाने को छेड़ना नहीं चाहिए। बेहतर हो यदि समय रहते इस विषयक संज्ञान लिया जाए, ताकि अन्यान्य कारणों से देश प्रदेश की प्रगति में कोई बाधा न आ सके।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

सटाका

आज की पाती

हंसना जरूरी, लेकिन बेवजह नहीं

सारी दुनिया में मई महीने के पहले रविवार को विश्व हास्य दिवस मनाया जाता है। हास्य योग के संस्थापक डॉ. मदन कटारिया ने दुनिया, देश और समाज में हास्य की भावना को बढ़ाने के उद्देश्य से ही शायद 11 जनवरी, 1998 को मुंबई में विश्व हास्य दिवस को मनाने की शुरुआत की थी। इस दिन दुनिया के बहुत से देशों में हास्य व्यंग्य, कविता, चुटकले और हंसने-हंसाने के बहुत से प्रोग्राम आयोजित किए जाते हैं। टीवी, अखबारों और अन्य बहुत से साधनों द्वारा बहुत से हास्य कलाकार प्रोग्राम पेश करते हैं। जिंदगी में अगर हंसने-हंसाने को हम उतना जरूरी बना लें जितना खानपान, अन्य जरूरी कामों को बनाते हैं तो हमारी जिंदगी तनावमुक्त गुजरेगी। हंसना वो औषधि है जो किसी बीमार व्यक्ति को भी तंदुरुस्त करने में मददगार साबित हो सकती है। *– सोहन वर्मा, सरायपाली*

ट्रेंड

सस्ती बिजली का लाभ

हमारा कार्य यह सुनिश्चित करना है कि परिवर्तन पर्याप्त तेज और निष्पक्ष हो - वैश्विक तापमान में वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करना, और 2030 तक सभी को सस्ती स्वच्छ बिजली का लाभ पहुंचाना।

-एंटोनियो गुतरेस, यूएन महासचिव

हमारा सामूहिक पाप

हैती मंगल ग्रह पर नहीं है. यह उसी पृथ्वी का एक हिस्सा है। पीड़ित हाईटियन एलियंस नहीं हैं; वे हम में से एक हैं। यह सामूहिक उदासीनता हमारा सामूहिक पाप है। यह एक पुरानी नैतिक ज़िम्मेदारी और जवाबदेही की कमी है।

-कैलाश सत्यार्थी, नोबेल विजेता

आत्मविश्वास से जीवन सिद्धि

ध्येयनिष्ठ एवं पुरुषार्थी साधकों के समक्ष कोई भी चुनौती उनके उत्साह और प्रगति को बाधित नहीं करती। जिन्होंने बड़े लक्ष्य निर्धारित कर लिए हैं, उनके जीवन में मान-सम्मान जैसी अवस्थाएं बाधाएं नहीं बनती। आत्मविश्वास से ही जीवन सिद्धि का मार्ग प्रशस्त होता है।

-अवधेशानंद, आध्यात्मिक गुरु

आपने 10 साल में क्या बनाया

वे पूछते हैं कि 70 सालों में क्या किया? हमने आईआईएम बनाए, आईआईटी बनाई, एम्स बनाए, एचएएल, भेल बनाया, राष्ट्रीय महत्व के जिस संस्थान का नाम लीजिए, कांग्रेस ने बनाया। आपने 10 साल में क्या बनाया, ये क्यों नहीं बताते?

-प्रियंका गांधी, कांग्रेस महासचिव

संक्षिप्त खबरें

मिडास सेफ्टी का अधिग्रहण

नई दिल्ली। 1000 करोड़ रुपये के टर्नओवर वाले 25 साल पुराने करम ग्रुप ने एक मंदी सौदे के माध्यम से 110 करोड़ रुपये की टॉप लाइन वाले मिडास सेफ्टी इंडिया के संचालन का अधिग्रहण किया है। अधिग्रहण पर टिप्पणी करते हुए, करम ग्रुप के अध्यक्ष, ग्लोबल सेल्स एंड मार्केटिंग, हेमंत सप्रा ने कहा, 'करम के मिडास सेफ्टी इंडिया के अधिग्रहण के साथ, पीपीई उद्योग के दो प्रमुख कंपनी एकजुट हो गए हैं। हम वैश्विक सुरक्षा नेतृत्व और उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता के हमारे दृष्टिकोण के अनुरूप, करम परिवार में मिडास सेफ्टी इंडिया का गर्मजोशी से स्वागत करते हैं।

पीबी पार्टनर्स की आय बढ़ी

नई दिल्ली। पीबीपार्टनर्स की आमदनी में चार से पांच गुना तक की वृद्धि दर्ज की गई है। कंपनी अलग-अलग क्षेत्रों के लोगों को बीमा उद्योग में प्रवेश करके अपना बेहतरीन करियर बनाने का अवसर प्रदान करती है। कंपनी के एजेंट पार्टनर अनुराग गुप्ता हैं। उन्होंने कहा कि पीबी पार्टनर्स और उनके निरंतर सहयोग से हमने कारोबार में वृद्धि दर्ज की है। पीबी पार्टनर्स के एजेंट पार्टनर्स कंपनी को बीमा उद्योग में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक टूल्स एवं सहयोग उपलब्ध कराते हैं। उन्होंने कहा कि पीबी पार्टनर्स केवल एक प्लेटफार्म ही नहीं है, बल्कि यह एक सहयोगपूर्ण समुदाय है, जहां अनुभवी एजेंट नए लोगों को आवश्यक ज्ञान एवं सहयोग प्रदान करते हैं।

निर्गम सात को बंद होगा

नई दिल्ली। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विस लिमिटेड (एमओएफएसएल) ने ₹500 करोड़ तक के ग्रीन शू विकल्प के साथ ₹500 (बेस इशू साइज़) की राशि तक के सुरक्षित प्रतिदेय गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) के सार्वजनिक निर्गम की घोषणा की है, जिसका प्रत्येक का अंकित मूल्य ₹1,000 है और जो संचयी रूप से ₹1,000 करोड़ तक होगा। एनसीडी की आठ सीरीज होंगी जिनमें निश्चित कूपन हैं जिनपर 24 महीने, 36 महीने, 60 महीने और 120 महीने की अवधियों में वार्षिक, मासिक और परिपक्वता के ब्याज विकल्प मौजूद हैं। एनसीडी के लिए प्रभावी वार्षिक प्रतिफल 8.85% प्रति वर्ष से 9.70% प्रति वर्ष है। यह इश्यू 23 अप्रैल, 2024 को खुला था और 7 मई 2024 को बंद होगा।

तंबाकू नियंत्रण पर रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारत में तम्बाकू का उपयोग करने वाली दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी आबादी रहती है। केपीएमजी एश्योरेंस एवं कंसल्टिंग सर्विसेज़ एलएलपी, ईटी एज़ के साथ की एक नई रिपोर्ट, 'ह्यूमन-सेंट्रिक एप्रोच टू टोबैको कंट्रोल' में सामने आया है कि भारत में तम्बाकू का उपयोग करने वाली दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी आबादी रहती है, जहाँ 27 प्रतिशत व्यस्क तम्बाकू का सेवन करते हैं। रिपोर्ट के अनुसार तम्बाकू नियंत्रण के लिए एक व्यवहारिक रोडमैप का होना बहुत आवश्यक है।

भारतीय बाजार में हैं ढेरों 'अनखोजे' अवसर : बफे

वाशिंगटन (एजेंसियां)।

अरबपति निवेशक वारेन बफे ने कहा कि भारतीय बाजार में ढेरों 'अनखोजे' अवसर हैं, जिन्हें उनके समूह की होल्डिंग कंपनी बर्कशायर हैथवे भविष्य में तलाशना चाहेगी।

बफे की यह टिप्पणी शुक्रवार को बर्कशायर की वार्षिक बैठक के दौरान आई। भारतीय इक्विटी में निवेश करने वाले अमेरिका स्थित हेज फंड दूरदर्शी एडवाइजर्स के राजीव अग्रवाल ने उनसे दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भारत में बर्कशायर की संभावनाओं के बारे में पूछा था। बफे से कहा, 'यह एक बहुत अच्छा सवाल है। मुझे यकीन है कि भारत जैसे देशों में बहुत सारे अवसर हैं।'

बर्कशायर हैथवे के सह-संस्थापक, अध्यक्ष और सीईओ ने कहा, 'हालांकि, सवाल यह है कि क्या हमारे पास भारत में उन व्यवसायों के बारे में कोई बढत या अंतर्दृष्टि है या कोई संपर्क है, जो बर्कशायर की भागीदारी के जरिए लेनदेन को संभव बना सके।' उन्होंने कहा कि बर्कशायर में अधिक ऊर्जावान प्रबंधन इसे आगे बढ़ा सकता है। बफे (93) ने कहा कि बर्कशायर की दुनिया भर में बहुत अधिक प्रतिष्ठा है। उन्होंने कहा कि जापान में उनका अनुभव काफी दिलचस्प रहा है। भारत के बारे में उन्होंने कहा, 'हो सकता है कि कोई ऐसा अवसर हो, जिसकी खोज न की गई हो या जिस पर ध्यान न दिया गया हो। लेकिन ऐसा भविष्य में हो सकता है।'

बफे ने हाल ही में बर्कशायर हैथवे द्वारा लिए गए कुछ प्रमुख निवेश निर्णयों से संबंधित कई सवालों के जवाब दिए। एप्पल में हिस्सेदारी कम करने से जुड़ा एक सवाल भी था। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसका शेयर के दीर्घकालिक नजरिए से कोई संबंध नहीं है और हाल ही में मंदी के बावजूद संभव है कि एप्पल उनकी सबसे बड़ी होल्डिंग्स में से एक रहेगा।

उन्होंने शेयरधारकों को यह भी बताया कि वाइस चेयरमैन ग्रेग एबेल और अजीत जैन ने उनके जाने के बाद बर्कशायर का नेतृत्व करने के लिए खुद को साबित किया है।

मई में एफपीआई ने शेयरों में 1,156 करोड़ डाले

नई दिल्ली (भाषा)।

भारत में आम चुनाव की वजह से विदेशी निवेशक 'देखो और इंतजार करो' की नीति अपना रहे हैं। चालू महीने के पहले दो कारोबारी सत्रों में एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजारों में सिर्फ 1,156 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

इससे पहले मारीशस के साथ भारत की कर संधि में बदलाव और अमेरिका में बांड प्रतिफल में निरंतर वृद्धि की चिंताओं के कारण अप्रैल में एफपीआई ने 8,700 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे। वहीं मार्च में एफपीआई ने शेयरों में शुद्ध रूप से 35,098 करोड़ रुपये और फरवरी में 1,539 करोड़ रुपये का निवेश किया था।

बिजली संयंत्रों के पास कोयले का पर्याप्त भंडार

■ तापीय बिजलघरों में मानक का 68% कोयला मौजूद

नई दिल्ली (भाषा)।

देश में पारा चढ़ने के साथ ही बिजली की बढ़ती मांग के बीच 184 तापीय बिजली संयंत्रों में मानक के मुकाबले 68 प्रतिशत कोयले का भंडार है। इन 184 संयंत्रों की कुल उत्पादन क्षमता 211 गीगावाट है।

■ गर्मियों की बिजली की मांग से निपटने को कंपनियों ने की है काफी तैयारी

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) की तीन मई की दैनिक रिपोर्ट के अनुसार, उसकी निगरानी वाले 184 संयंत्रों में 4.77 करोड़ टन कोयला का भंडार है, जबकि मानक स्तर 7.05 करोड़ टन है। यह स्थिति बिजली मंत्रालय के इस अनुमान के मद्देनजर महत्वपूर्ण है कि इस गर्मी के दौरान अधिकतम मांग 260 गीगावाट होगी। सितंबर, 2023 में बिजली की अधिकतम मांग 243 गीगावाट के सर्वकालिक उच्चस्तर पर थी।

किसी एक दिन में बिजली की सबसे अधिक आपूर्ति तीन मई, 2024 को 223.84 गीगावाट तक पहुंच चुकी है, जो मई, 2023 में दर्ज 221.42 गीगावाट से अधिक है। बिजली की अधिक मांग के अनुमान को देखते हुए विद्युत मंत्रालय ने कई कदम उठाए हैं, जिसमें देश में आयातित कोयला आधारित संयंत्रों को अनिवार्य रूप से चलाना शामिल है। मंत्रालय ने घरेलू कोयला आधारित बिजली संयंत्रों को छह प्रतिशत आयातित कोयला मिलाने के लिए भी कहा है।

बिजली क्षेत्र के विशेषज्ञों का कहना है कि अप्रैल में बिजली की मांग 224 गीगावाट से अधिक हो सकती थी, लेकिन बेमौसम बारिश ने ठंडक देने वाले उपकरणों की जरूरत को काफी हद तक कम कर दिया।

उनका मानना है कि मई और जून में पारा चढने के साथ बिजली की मांग अनुमानित स्तर तक पहुंच सकती है।

इस हफ्ते तीन कंपनियां लाएंगी आईपीओ

नई दिल्ली (भाषा)।

इस सप्ताह तीन कंपनियां ब्लैकस्टोन समर्थित आधार हाउसिंग फाइनेंस, चिकित्सा प्रौद्योगिकी कंपनी इंडिजेन और यात्रा क्षेत्र से जुड़ी कंपनी टीबीओ टेक कुल मिलाकर 6,400 करोड़ रुपये जुटाने के लिए आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाएंगी। इससे पहले, जेएनके इंडिया ने पिछले महीने आईपीओ के माध्यम से 650 करोड़ रुपये जुटाए थे।

पैंटोमैथ कैपिटल एडवाइजर्स के प्रबंध निदेशक महावीर लुनावत ने कहा कि साल 2004 के बाद से पिछले चार आम चुनाव चक्रों में मई के दौरान एक भी आईपीओ पेश नहीं हुआ है। आमतौर पर, इन वर्षों के दौरान अप्रैल से जून की अवधि चुनावी अनिश्चितता के कारण प्राथमिक बाजारों के लिए धीमी रही है।

आनंद राठी एडवाइजर्स के मुख्य कार्यपालक अधिकारी समीर बहल ने कहा कि नया चलन एक सकारात्मक संकेत है जो भारतीय पूंजी बाजार के परिपक्व होने और राजनीतिक घटनाक्रमों के बावजूद भारत की दीर्घकालिक वृद्धि गाथा में विश्वास का संकेत देता है। इंडिजेन का तीन दिन का आईपीओ छह मई को, जबकि आधार हाउसिंग फाइनेंस और टीबीओ टेक का आईपीओ आठ मई को खुलेगा। तीनों कंपनियों के कुल 6,393 करोड़ रुपये के आईपीओ में से 4,233 करोड़ रुपये बिक्री पेशकश (ओएफएस) के माध्यम से जुटाए जाएंगे।

होम लोन का बकाया दो साल में 10 लाख करोड़ रुपये बढ़ा

■ मार्च में रिकार्ड 27.23 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंचा

नई दिल्ली (भाषा)।

आवास क्षेत्र के लिए बकाया ऋण पिछले दो वित्त वर्षों में लगभग 10 लाख करोड़ रुपये बढकर इस साल मार्च में रिकार्ड 27.23 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। आरबीआई के 'बैंक ऋण के क्षेत्रवार वितरण' आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है।

बैंकिंग और रियल एस्टेट क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने बताया कि कोविड महामारी के बाद आवासीय संपत्ति बाजार में दबी मांग सामने आने के चलते आवास ऋण बकाया में वृद्धि हुई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के मार्च, 2024 के लिए बैंक ऋण के क्षेत्रवार वितरण पर आंकड़ों के अनुसार आवास (प्राथमिकता क्षेत्र आवास सहित) के लिए बकाया ऋण मार्च, 2024 में 27,22,720 करोड़ रुपये था। यह आंकड़ा मार्च, 2023 में 19,88,532 करोड़ रुपये और मार्च, 2022 में 17,26,697 करोड़ रुपये था।

आंकड़ों से यह भी पता चला कि वाणिज्यिक अचल संपत्ति के लिए बकाया ऋण मार्च 2024 में 4,48,145 करोड़ रुपये था। यह मार्च, 2022 में 2,97,231 करोड़ रुपये था। विभिन्न संपत्ति सलाहकारों की रिपोर्ट के अनुसार पिछले दो वित्त वर्षों में घरों की बिक्री और कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने कहा कि आवास ऋण में उच्च वृद्धि आवासीय क्षेत्र के सभी खंडों में तेजी के चलते है। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से किफायती आवास खंड में सरकार के प्रयासों के कारण तेजी देखी गई है।

सबनवीस ने कहा कि आवास ऋण की वृद्धि मजबूत बनी रहेगी, लेकिन उच्च आधार के कारण यह घटकर 15-20 प्रतिशत रह सकती है। आरबीआई के आंकड़ों पर टिप्पणी करते हुए रियल एस्टेट विश्लेषण कंपनी प्रॉपइक्विटी के सीईओ/एमडी समीर जसूजा ने कहा कि बकाया आवास ऋणों में वृद्धि मुख्य रूप से पिछले दो वित्त वर्षों में पेश की गई और बेची गई संपत्तियों की मात्रा में उल्लेखनीय वृद्धि के कारण है।

तकनीक से हो रही मनी लांड्रिंग की जांच

नई दिल्ली (भाषा)।

भारत की वित्तीय आसूचना इकाई (एफआईयू) ने देश के आर्थिक चैनलों में धन शोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) और आतंकवाद के वित्तपोषण जैसे अपराधों की जांच के लिए अपनी सूचना प्रौद्योगिकी प्रणाली को बेहतर बनाया है। इसके तहत एफआईयू ने कृत्रिम मेधा (एआई) और मशीन लर्निंग को अपनाते हुए अत्याधुनिक 2.0 संस्करण को चालू किया है।

वित्त वर्ष 2022-23 की एक ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि तकनीकी ढांचे को बेहतर बनाने की जरूरत थी, क्योंकि बैंकों और विभिन्न अन्य वित्तीय संस्थानों की तरफ से विश्लेषण और जांच के लिए भेजे जाने वाले डेटा (संदिग्ध लेनदेन रिपोर्ट) की मात्रा बढ़ रही है। इस एजेंसी की स्थापना 2004 में धन शोधन रोधक अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मनी लांड्रिंग और आतंकवाद के वित्तपोषण के खतरे के खिलाफ भारत की लड़ाई में निर्णायक भूमिका निभाने के लिए हुई थी। हाल में जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्तीय आसूचना नेटवर्क 2.0 की परिकल्पना इसलिए की गई, क्योंकि देश का विनियामक वातावरण बदल रहा है, प्रौद्योगिकी परिदृश्य विकसित हो रहा है।

बीते वित्त वर्ष में 1.85 लाख नई कंपनियों का गठन

नई दिल्ली (भाषा)।

बीते वित्त वर्ष (2023-24) में देश में 1.85 लाख से अधिक कंपनियों का पंजीकरण हुआ। यह इससे पिछले वित्त वर्ष में पंजीकृत कंपनियों की संख्या से कहीं अधिक है। इस साल मार्च में लगभग 16,600 कंपनियां स्थापित की गईं।

2022-23 में 18,132.16 करोड़ रुपये की सामूहिक चुकता पूंजी के साथ 1,59,524 कंपनियां पंजीकृत हुई थीं। मार्च, 2024 के अंत में देश में कुल 26,63,016 कंपनियां थीं और इनमें से 16,91,495 या 64 प्रतिशत कंपनियां सक्रिय थीं। आंकड़ो से पता चलता है कि इनमें 9,31,644 पंजीकृत कंपनियां बंद हो गईं, 2,470 निष्क्रिय थीं और 10,385 कंपनियां परिसमापन के तहत थीं। कुल 27,022 कंपनियों को आधिकारिक रिकॉर्ड से हटाने की प्रक्रिया जारी थी।

टेस्ला से ठुकराए गए ट्रेनीज को भारतीय स्टार्टअप ने दिया सहारा

नई दिल्ली (भाषा)। बेंगलुरु की इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) स्टार्टअप कंपनी प्रवेग डायनमिक्स ने वैश्विक ईवी कंपनी टेस्ला के उन प्रशिक्षुओं को प्रस्ताव भेजा है, जिनकी नौकरी के प्रस्ताव (ऑफर) को काम शुरू करने की तारीख से पहले रद्द कर दिया गया है। स्टार्टअप कंपनी ने इन प्रशिक्षुओं को 'भारत की सिलिकन वैली' से जुड़ने का प्रस्ताव दिया है, जो उनकी प्रतिभा को स्वीकार करेगी। अरबपति एलन मस्क के हालिया लागत-कटौती कार्रवाई के शिकार उनकी प्रमुख कंपनी टेस्ला इंक के ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षु हैं, जिनका प्रशिक्षण शुरू होने से कुछ हफ्ते पहले ही उनके ऑफर को रद्द कर दिया गया है।

जहां कई महत्वाकांक्षी कर्मचारियों ने पेशेवरों के लिए सोशल मीडिया मंच लिंक्डइन पर गर्मियों के लिए प्रतिस्थापन कार्यक्रम खोजने के लिए पर्याप्त समय नहीं होने पर दुख जताया वहीं प्रवेग ने मदद की पेशकश की है। प्रवेग में भागीदार शिवांगी बागरी ने अपने लिंक्डइन पेज पर लिखा, ''प्रवेग डायनेमिक्स में हम आपके करियर के प्रयासों में मूल्यवान और समर्थित महसूस करने के महत्व को समझते हैं। इसलिए हम इस दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति से प्रभावित लोगों को वास्तविक निमंत्रण देना चाहते हैं।''मुख्य रूप से गिरती बिक्री और अबतक नौकरी में कटौती की गति के कारण सैकड़ों और कर्मचारियों को निकालने की योजना की खबरों के बीच मस्क ने हाल के दिनों में टेस्ला के दो वरिष्ठ अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया है।

कारपोरेटनामा

यूको बैंक का कारोबार बढ़ा

नई दिल्ली (वि.)। वित्त वर्ष 2023 के मुकाबले वित्त वर्ष 2024 में यूको बैंक का कुल कारोबार वर्ष-दर-वर्ष 9.50% बढ़कर 450007 करोड़ रुपए (तिमाही-दर-तिमाही 435456 करोड़ रुपए से 3.34% बढ़कर) हो गया। सकल अग्रिम वर्ष-दर-वर्ष 15.62% बढ़कर 186877 करोड़ रुपये (तिमाही-दर-तिमाही 179195 करोड़ रुपए से 4.29% बढ़कर)। कुल जमा वर्ष-दर-वर्ष 5.53% बढ़कर 263130 करोड़ रुपए (तिमाही-दर-तिमाही 256261 करोड़ रुपए से 2.68% बढ़कर) हो गई। खुदरा, कृषि और एमएसएमई (रैम) क्षेत्रों में अग्रिम बैंक का रैम सेग्मेंट वर्ष-दर-वर्ष 13.88% बढ़कर 97516 करोड़ रुपए हो गया (तिमाही-दर-तिमाही 93720 करोड़ रुपए से 4.05 % बढ़कर)। यह वृद्धि खुदरा अग्रिमों में वर्ष-दर वर्ष 14.62% की वृद्धि, कृषि अग्रिमों में वर्ष-दर-वर्ष 13.16% वृद्धि और एमएसएमई अग्रिमों में वर्ष-दर-वर्ष 13.53% की वृद्धि से संभव हुई। बैंक के एनपीए में 132 बीपीएस की कमी के साथ 3.46% और निवल एनपीए में 40 बीपीएस की कमी के साथ साथ 0.89% कमी आई। बैंक का परिचालन लाभ 4576 करोड़ रुपए रहा, जो वर्ष-दर-वर्ष 5.43 % की वृद्धि को दर्शाता है। यह तिमाही दर तिमाही 13.74% की वृद्धि के साथ 1119 करोड़ रुपए से 1273 करोड़ रुपए हो गया है।

150 नए स्टोर खोलेगी गो फैशन

चेन्नई (भाषा)। गो फैशन (इंडिया) लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष (2024-25) में 120-150 नए स्टोर खोलने की योजना बनाई है। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) गौतम सरावगी ने यह जानकारी दी। गो फैशन के पास महिलाओं के लोकप्रिय ब्रांड 'गो कलर्स' का स्वामित्व है। सरावगी ने कहा कि कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष में कुल 94 स्टोर जोड़े, जिससे हमारे कुल स्टोर की संख्या संख्या 714 हो गई है। गो फैशन विभिन्न शहरों में उपभोक्ताओं तक पहुंच बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर रही है। वह स्टोर के अलावा उपभोक्ताओं को ऑनलाइन खरीदारी का अनुभव भी उपलब्ध करा रही है। इस बीच, शहर स्थित इस कंपनी ने जनवरी-मार्च, 2024 की तिमाही में 13.1 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का शुद्ध मुनाफा 14.8 करोड़ रुपये रहा था। बीते पूरे वित्त वर्ष में कंपनी का शुद्ध लाभ 82.8 करोड़ रुपये पर स्थिर रहा है।

3.49 मिलियन टन लौह आयस्क का उत्पादन

नई दिल्ली (वि.)। राष्ट्रीय खनन कंपनी, एनएमडीसी ने वित्त वर्ष 2024-25 के पहले महीने में लौह अयस्क का 3.48 मिलियन टन का उत्पादन किया और 3.53 मिलियन टन बिक्री की। वित्त वर्ष 2023-24 में रिकार्ड 45 एमटी वॉल्यूम की पृष्ठभूमि में एनएमडीसी का मजबूत प्रदर्शन जारी रहा। जहां उत्पादन पिछले वर्ष की इसी अवधि के अनुरूप था, कंपनी ने अप्रैल 2023 की तुलना में बिक्री में लगभग 3% की वृद्धि हासिल की। एनएमडीसी के किरंदुल और दोणिमलै लौह अयस्क खनन परिसरों ने क्रमशः 13.59 एलटी और 11.33 एलटी उत्पादन के साथ अप्रैल माह का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि की तुलना में किरंदुल में उत्पादन में 7% और दोणिमलै में 12% की वृद्धि हुई । कंपनी के बचेली कॉम्प्लेक्स ने अप्रैल 2024 में 14.86 एलटी प्रेषण किया, जो कि अप्रैल 2023 से 12% अधिक है और स्थापना के बाद से इसका अप्रैल माह में अबतक का सबसे अधिक प्रेषण है। कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (अतिरिक्त प्रभार) अमिताभ मुखर्जी ने देश की लौह और इस्पात की मांग को पूरा करने के लिए एनएमडीसी की क्षमता में विश्वास व्यक्त किया।

वीआईटी की प्रवेश परीक्षा के परिणाम घोषित

नई दिल्ली (वि.)। वेल्लोर इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा (ईईई) के परिणाम घोषित कर दिये हैं। यह प्रवेश परीक्षा भारत के सभी शहरों समेत दुनियाभर में आयोजि की गई। यह परीक्षा दुबई, कुवैत, मस्कट, कतर, क्वलालम्पुर और सिंगापुर में भी आयोजित की गई। परीक्षा का आयोजन 19 से 30 अप्रैल के बीच किया गया। परीक्षा परिणाम संस्था की वेबसाइट पर उपलब्ध करा दिये गए हैं। परीक्षा में प्रथम रैंक हरियाणा के रुपिंदर सिंह को, दूसरी राजस्थान के भानु महेश और तीसरी रैंक आंध्र प्रदेश के ए. वेदांत को मिली। एक लाख तक की रैंक वाले छात्रों को बीटेक में प्रवेश लेने के लिए आयोजित होने वाली काउंसिलिंग में शामिल होने का मौका मिलेगा। रैंक के आधार पर पहले चरण में पहली रैंक से लेकर 20 हजार तक रैंक पाने वाले छात्रों की काउंसिलिंग सात से दस मई तक होगी। दूसरे चरण में इसी तरह दूसरे चरण में 20001 से 45 हजार तक रैंक वाले छात्रों की काउंसिलिंग 18 से 21 मई तक, तीसरे चरण की काउंसिलिंग 29 मई से एक जून तक और चौथे चरण की काउंसिलिंग नौ से 12 जून के बीच होगी।

महिंद्रा व टाटा मोटर्स को रिकार्ड पेटेंट मंजूरियां

नई दिल्ली (भाषा)। वाहन विनिर्माण क्षेत्र की प्रमुख घरेलू कंपनियों- महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) और टाटा मोटर्स को पिछले वित्त वर्ष में उत्पाद और प्रक्रिया नवोन्मेषण से संबंधित रिकार्ड संख्या में पेटेंट मंजूरियां मिली हैं। एमएंडएम को 674 मंजूरियां मिलीं, जो उसका किसी एक साल का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। वहीं, टाटा मोटर्स को भी वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 333 पेटेंट मंजूरियां मिली हैं। एमएंडएम ने कहा कि उसे पिछले वित्त वर्ष में रिकार्ड 674 पेटेंट मिले हैं। एमएंडएम के कार्यकारी निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (वाहन एवं कृषि क्षेत्र) राजेश जेजुरिकर ने कहा, 'हम भविष्य के लिए तैयार रहने के महत्व को समझते हैं, इसलिए हमने प्रौद्योगिकी और प्रतिभा के मामले में आगे रहने के लिए शोध एवं विकास में व्यापक निवेश सुनिश्चित किया है।' एमएंडएम को अभी तक विभिन्न खंडों में 1,185 पेटेंट मिले हैं। कंपनी के पास 31 मार्च, 2024 तक 193 आवेदन पेटेंट मंजूरी की प्रतीक्षा में हैं। कुल मिलाकर, इसने अबतक 2,212 पेटेंट आवेदन किए हैं। टाटा मोटर्स को पिछले वित्त वर्ष के दौरान 333 पेटेंट की मंजूरियां मिलीं।

रैंकिंग बढ़ाने पर काम कर रही है सरकार

■ विश्व बैंक अपनी पहली बिजनेस रेडी रिपोर्ट सितंबर में जारी करेगा

■ इस रिपोर्ट में अपनी रैंकिंग बेहतर रखने पर भारत सरकार ने शुरू किया काम

नई दिल्ली (भाषा)। विश्व बैंक अपनी पहली बिजनेस रेडी (कारोबार के लिए तैयार) रिपोर्ट इसी साल सितम्बर में जारी करने की योजना बना रहा है। इस संबंध में एक अधिकारी ने कहा कि वाणिज्य मंत्रालय ने भारत की रैंकिंग बढ़ाने के लिए अंतरराष्ट्रीय कारोबार विषय पर काम शुरू कर दिया है। बिजनेस रेडी (बी-रेडी) विश्व बैंक की नई प्रमुख रिपोर्ट है जो दुनियाभर की अधिकांश अर्थव्यवस्थाओं में कारोबारी माहौल और निवेश माहौल का मापन करती है।

रिपोर्ट कंपनियों पर निर्देशित नियामकीय ढांचे और सार्वजनिक सेवाओं को मापने का काम करती है। पहली बी-रेडी रिपोर्ट 25 सितम्बर, 2024 को जारी की जाएगी। बिजनेस रेडी रिपोर्ट विश्व बैंक समूह के पूर्व के 'डूइंग बिजनेस इंडेक्स' की जगह लेगी। विश्व बैंक ने पिछली रिपोर्टों में आंकड़ों में बदलाव के संबंध में कई अनियमितताओं के बाद 2020 में अपनी 'डूइंग बिजनेस रिपोर्ट' के प्रकाशन को रोकने का फैसला किया था। नई रिपोर्ट में 10 विषयों को केंद्र में रखा गया है जो किसी फर्म की गतिविधियों को शुरू करने, संचालित करने, बंद करने या पुनर्गठित करने के दौरान उसके जीवनचक्र को कवर करते हैं।

ये विषय कारोबार प्रवेश, कारोबार स्थान, उपयोगिता सेवाएं, श्रम, वित्तीय सेवाएं, अंतरराष्ट्रीय व्यापार, कराधान, विवाद समाधान, बाजार प्रतिस्पर्धा और कारोबार के दिवालिया होने से संबंधित हैं। अगले तीन साल में यह परियोजना सालाना दुनियाभर में लगभग 180 अर्थव्यवस्थाओं को इसके तहत लाने के लिए आगे बढ़ेगी। यह परियोजना 2023-24 में 54 अर्थव्यवस्थाओं से शुरू होकर 2024-25 में 120 अर्थव्यवस्थाओं तक और 2025-26 में 180 अर्थव्यवस्थाओं तक पहुंच जाएगी।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
कोलकाता	11	8	3	16
राजस्थान	10	8	2	16
चेन्नई	11	6	5	12
हैदराबाद	10	6	4	12
लखनऊ	11	6	5	12
दिल्ली	11	5	6	10
बेंगलोर	11	4	7	8
पंजाब	11	4	7	8
गुजरात	11	4	7	8
मुंबई	11	3	8	6

ऑरेंज कैप

विराट कोहली
542 रन
बेंगलोर

पर्पल कैप

जसप्रीत बुमराह
17 विकेट
मुंबई

बाउंड्री मीटर

1650 चौके

946 छक्के

रियल मैड्रिड ने जीता रिकॉर्ड 36वां ला लिगा खिताब

- 4 मैच शेष रहते बना चैंपियन
- 3-0 से केडिज को दी मात
- 34 मैच में मैड्रिड के 87 अंक

बार्सीलोना। रियल मैड्रिड ने बायर्न म्यूनिख के खिलाफ चैंपियंस लीग सेमीफाइनल से पहले शनिवार रात को यहां चार मैच शेष रहते स्पेनिश लीग फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया। मैड्रिड ने अपनी बेंच स्ट्रैंथ को आजमाने के बावजूद केडिज को 3-0 से हराया। बार्सीलोना की टीम इसके बाद गिरोना के खिलाफ 2-4 से हार गई जिससे मैड्रिड ने खिताब सुनिश्चित किया। मैड्रिड ने अपने रिकॉर्ड में सुधार करते हुए 36वीं बार ला लिगा का खिताब जीता। गिरोना की टीम इस जीत से बार्सीलोना को पछाड़कर 34 मैच में 74 अंक के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। बार्सीलोना 73 अंक के साथ तीसरे स्थान पर है। मैड्रिड के 34 मैच में गिरोना से 13 अंक ज्यादा 87 अंक हैं। गिरोना की टीम अब अधिकतम 12 अंक ही जुटा सकती है जिससे मैड्रिड का खिताब तय हो गया है।

खबर संक्षेप

पुजारा के शतक से ससेक्स मजबूत

लंदन। भारतीय बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा के नाबाद 104 रन की मदद से ससेक्स ने डर्बीशर के खिलाफ काउंटी चैंपियनशिप डिविजन दो मैच में पहली पारी में 111 रन की बढ़त बना ली है। पुजारा ने अपनी नाबाद पारी में 167 गेंद का सामना करते हुए 10 चौके मारे हैं। उन्होंने काउंटी सत्र के अपने तीसरे मैच में सत्र का पहला शतक जड़ा। शनिवार को डर्बी के काउंटी ग्राउंड में खेले गए मैच में डर्बीशर के पहली पारी के 246 रन के जवाब में ससेक्स ने पुजारा के शतक से पांच विकेट पर 357 रन बनाकर अपनी स्थिति मजबूत की।

विवान शूट ऑफ में हारे ट्रैप निशानेबाज फेल

नई दिल्ली। विवान कपूर को शूट ऑफ में टोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता ग्रेट ब्रिटेन के मैथ्यू जॉन कोवार्ड-होली के खिलाफ 2-3 से शिकस्त झेलनी पड़ी जिससे भारत का कोई भी ट्रैप निशानेबाज बाकू में चल रहे आईएसएसएफ विश्व कप के फाइनल में जगह नहीं बना पाया। विवान ने क्वालीफाइंग दौर में 120 अंक जुटाए थे और वह कोवार्ड-होली के अलावा आयरलैंड के पूर्व जूनियर विश्व चैंपियन इयान ओ सुलिवान के साथ फाइनल में छठे और अंतिम स्थान के लिए शूट ऑफ का हिस्सा थे।

बुंदेसलिगा में स्टुटगार्ट से हारा बायर्न म्यूनिख

बर्लिन। बायर्न म्यूनिख को रियल मैड्रिड के खिलाफ चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल के दूसरे चरण के मुकाबले से पहले बुंदेसलिगा फुटबॉल टूर्नामेंट के अपने अंतिम मैच में स्टुटगार्ट के खिलाफ 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। इस मैच के दौरान बायर्न के राफेल गुरेइरो चोटिल भी हो गए। गुरेइरो संभवतः मांसपेशियों में चोट के कारण मुकाबले के बीच से बाहर हो गए और बुधवार को मैड्रिड के खिलाफ होने वाले निर्णायक मैच में भी उनका खेलना संदिग्ध है। बायर्न की ओर से एकमात्र गोल पेनल्टी पर हैरी केन ने 37वें मिनट में दागा जबकि स्टुटगार्ट की ओर से लियोनिडास स्टरगियो (29वें मिनट), जियोंग वू यिओंग (83वें मिनट) और सिलास (90 प्लस तीन मिनट) ने गोल किए। बोरूसिया डोर्टमंड ने ऑग्सबर्ग को 5-1 से रौंदकर मंगलवार को पेरिस सेंट जर्मन के खिलाफ होने वाले सेमीफाइनल की तैयारी की।

आईपीएल
जडेजा 43 रन बनाकर और तीन विकेट लेकर बने मैच के हीरो

चेन्नई की जीत से शीर्ष चार में वापसी
पंजाब से बदला पूरा, 28 रन से हराया

एजेंसी ▶▶| धर्मशाला

चेन्नई सुपर किंग्स ने इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच में रविवार को यहां पंजाब किंग्स को 28 रन से हराकर प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को मजबूत किया। पंजाब के खिलाफ लगातार पांच हार के बाद सीएसके ने जीत का स्वाद चखा। चेन्नई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 167 रन बनाए और फिर पंजाब की पारी को नौ विकेट पर 139 रन पर रोककर टीम के खिलाफ चार दिन पहले मिली हार का बदला चुकता किया। सीएसके ने 11 मैच में छठी जीत के बाद तालिका में शीर्ष चार में अपनी वापसी की जबकि 11 मैचों में सातवीं हार के बाद पंजाब की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है।

जडेजा ने 26 गेंद में तीन चौके और दो छक्के की मदद से 43 रन बनाने के बाद चार ओवर में महज 20 रन खर्च कर तीन विकेट झटके। सीएसके के लिए जडेजा के अलावा शानदार लय में चल रहे कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने 21 गेंद में 32 जबकि डेरिल मिचेल ने 19 गेंद में 30 रन का बल्ले से अच्छा योगदान दिया। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 32 गेंद में 57 रन की साझेदारी की।जडेजा को टीम के अन्य गेंदबाजों का भी अच्छा साथ मिला जिससे पंजाब की टीम लगातार अंतराल पर विकेट गंवाते रही। तुषार देशपांडे और सिमरजीत सिंह ने दो-दो जबकि मिचेल सेंटनर और शारदुल ठाकुर ने एक-एक विकेट चटकाया।

नंबर-3 बनी सीएसके

इस जीत के साथ चेन्नई की टीम अंक तालिका में पांचवें से तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। उसके लखनऊ और हैदराबाद के समान अंक हैं, लेकिन नेट रन रेट में बाकी दोनों टीमों से आगे है। इस जीत ने सीएसके के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदों को जिंदा रखा है। चेन्नई का अगला मैच 10 मई को अहमदाबाद में गुजरात टाइटंस के खिलाफ है। वहीं, पंजाब की टीम नौ मई को धर्मशाला में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम से भिड़ेगी।

मुंबई के खिलाफ जीत से मजबूत होगा हैदराबाद

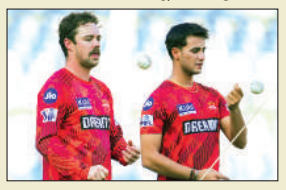

मुंबई। आत्मविश्वास से भरी सनराइजर्स हैदराबाद की टीम सोमवार को यहां खराब फॉर्म से जूझ रहे मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीत के साथ इंडियन प्रीमियर लीग की अंक तालिका में आगे बढ़ने की कोशिश करेगी। दस मैच में छह जीत और चार हार से 12 अंकों के साथ तालिका में चौथे स्थान पर मौजूद सनराइजर्स की टीम ऑलराउंड प्रदर्शन करने और विशेष रूप से अपने गेंदबाजी विभाग में सुधार करने के लिए बेताब होगी। पैट कमिंस की अगुवाई वाली टीम राजस्थान रॉयल्स (16 अंक), कोलकाता नाइट राइडर्स (14 अंक) और लखनऊ सुपर जाइंट्स (12 अंक) के साथ शीर्ष चार में शामिल है।

शशांक ने बनाए 27 रन

पंजाब के लिए प्रभसिमरन सिंह ने 23 गेंद में 30 जबकि शशांक सिंह ने 20 गेंद में 27 रन पारी खेली। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 36 गेंद में 53 रन जोड़े। टीम के लिए राहुल चाहर ने चार ओवर में 23 तो वहीं मध्यम तेज गति के गेंदबाज हर्षल ने चार ओवर में 24 रन देकर तीन-तीन विकेट लिए। अर्शदीप सिंह को दो जबकि कप्तान सैम कुरेन को एक सफलता मिली।

स्कोर बोर्ड

चेन्नई सुपर किंग्स	रन	गेंद	4	6
रहाणे का रबाडा बो अर्शदीप	09	07	1	0
गायकवाड़ का जितेश बो चाहर	32	21	4	1
डेरिल मिचेल पगबाधा हर्षल	30	19	2	1
शिवम दुबे का जितेश बो चाहर	00	01	0	0
अली का बेयरस्टो बो कुरेन	17	20	2	0
जडेजा का कुरेन बो अर्शदीप	43	26	3	2
सेंटनर का कुरेन बो चाहर	11	11	1	0
शारदुल ठाकुर बो हर्षल	17	11	2	1
महेंद्र सिंह धोनी बो हर्षल	00	01	0	0
तुषार देशपांडे नाबाद	00	01	0	0
रिचर्ड ग्लीसन नाबाद	02	02	0	0

अतिरिक्त : 06, कुल : 20 ओवर में 167/9
गेंदबाजी : रबाडा 3-0-24-0, अर्शदीप 4-0-42-2, कुरेन 4-0-34-1, बराड़ 1-0-19-0, चाहर 4-0-23-3, हर्षल 4-0-24-3.

पंजाब किंग्स	रन	गेंद	4	6
सिंह का स्था. रिजवी बो जडेजा	30	23	2	2
जॉनी बेयरस्टो बो देशपांडे	07	06	1	0
रिली रोसेयु बो देशपांडे	00	03	0	0
शशांक का सिमरजीत बो सेंटनर	27	20	4	0
कुरेन का सेंटनर बो जडेजा	07	11	0	0
जितेश का धोनी बो सिमरजीत	00	01	0	0
आशुतोष का सिमरजीत बो जडेजा	03	10	0	0
हरप्रीत बरार नाबाद	17	13	2	0
हर्षल का स्था. रिजवी बो सिमरजीत	12	13	1	1
राहुल चाहर बो शारदुल	16	10	2	0
कागिसो रबाडा नाबाद	11	10	0	1

अतिरिक्त : 09, कुल : 20 ओवर में 139/9
गेंदबाजी : सेंटनर 3-0-10-1, देशपांडे 4-0-35-2, ग्लीसन 4-0-41-0, जडेजा 4-0-20-3, सिमरजीत 3-0-16-2, शार्दुल 2-0-12-1.

खास खबर

शीर्ष पर पहुंची नाइट राइडर्स लखनऊ को 98 रन से हराया

एजेंसी ▶▶| लखनऊ

कोलकाता नाइट राइडर्स ने रविवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग मैच में मेजबान लखनऊ सुपर जाइंट्स को 98 रन से हरा दिया। केकेआर छह विकेट पर 235 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा करने में सफल रही। इस विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए एलएसजी की टीम 16.1 ओवर में 137 रन पर सिमट गई।

एलएसजी के लिए टॉस जीतकर गेंदबाजी करने की योजना कारगर नहीं रही और केकेआर इकाना स्टेडियम में 200 रन का आंकड़ा पार करने वाली पहली टीम बन गई। बल्ले से फिर अपनी काबिलियत का नमूना पेश करते हुए वेस्टइंडीज के सुनील नारायण ने 38 गेंद में 81 रन बनाए जिसमें सात छक्के और छह चौके जड़े थे। पहले 10 ओवर में एलएसजी की आधी टीम पवेलियन लौट चुकी थी जिसमें कप्तान केएल राहुल (25), अर्शिन कुलकर्णी (09), दीपक हुडा (05) और 'बिग हिटर' मार्कस स्टोइनिस (36) और निकोलस पूरन (10) शामिल थे।

स्कोर बोर्ड

कोलकाता नाइट राइडर्स	रन	गेंद	4	6
सॉल्ट का राहुल बो नवीन	32	14	5	1
नारायण का सब बो बिश्नोई	81	39	6	7
रघुवंशी का राहुल बो युद्धवीर	32	26	3	1
रसेल का सब बो नवीन	12	08	1	1
रिंकू का स्टोइनिस बो नवीन	16	11	2	0
श्रेयस का राहुल बो यश	23	15	3	0
रमनदीप सिंह नाबाद	25	06	1	3
वेंकटेश अय्यर नाबाद	01	01	0	0

अतिरिक्त : 13, कुल : 20 ओवर में 235/6
गेंदबाजी : स्टोइनिस 2-0-29-0, मोहसिन 2-0-28-0, नवीन 4-0-49-3, यश 4-0-46-1, कृणाल 2-0-26-0, रवि बिश्नोई 4-0-33-1, युद्धवीर 2-0-24-1.

लखनऊ सुपर जायंट्स	रन	गेंद	4	6
राहुल का रमनदीप बो राणा	25	21	3	0
कुलकर्णी का रमनदीप बो स्टार्क	09	07	2	0
स्टोइनिस का राणा बो रसेल	36	21	4	2
हुड्डा पगबाधा बो चक्रवर्ती	05	03	1	0
पूरन का सॉल्ट बो रसेल	10	08	0	1
बदोनी का स्टार्क बो नारायण	15	12	0	1
टर्नर का एवं बो चक्रवर्ती	16	09	0	2
कृणाल का सॉल्ट बो राणा	05	06	0	0
युद्धवीर का रसेल बो चक्रवर्ती	07	07	0	1
रवि बिश्नोई पगबाधा बो राणा	02	03	0	0
नवीन उल हक नाबाद	00	00	0	0

अतिरिक्त : 07, कुल : 16.1 ओवर में 137/10
गेंदबाजी : अरोड़ा 2-0-21-0, स्टार्क 2-0-22-1, नारायण 4-0-22-1, राणा 3.1-0-24-3, चक्रवर्ती 3-0-30-3, रसेल 2-0-17-2.

महिला टी-20 वर्ल्ड कप के शेड्यूल की घोषणा, भारत ग्रुप ए में शामिल

एजेंसी ▶▶| दुबई

भारत को इस साल तीन से 20 अक्टूबर तक बांग्लादेश में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए रविवार को गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के साथ ग्रुप ए में जगह मिली। भारत के सभी ग्रुप मैच सिलहट में खेले जाएंगे।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद द्वारा घोषित नौवें महिला टी20 विश्व कप के कार्यक्रम के अनुसार भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत चार अक्टूबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ करेगी जबकि छह अक्टूबर को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से भिड़ेगी। आईसीसी ने अपनी वेबसाइट पर लिखा, 'टूर्नामेंट में प्रत्येक टीम चार ग्रुप मैच खेलेगी और प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें 20 अक्टूबर को ढाका में होने वाले फाइनल से पहले 17 और 18 अक्टूबर को होने वाले सेमीफाइनल मुकाबलों में जगह बनाएंगी। ढाका और सिलहट में 19 दिन में कुल मिलाकर 23 मैच खेले जाएंगे, जरूरत पड़ने पर सेमीफाइनल और फाइनल दोनों के लिए रिजर्व दिन रखे गए हैं।' मेजबान बांग्लादेश को ग्रुप बी में दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, वेस्टइंडीज और दूसरे क्वालीफायर के साथ रखा गया है।

श्रीलंका लौटे सीएसके के तेज गेंदबाज पाथिराना

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्सके तेज गेंदबाज मथीशा पाथिराना हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग के बचे हुए इस चरण से बाहर हो गए और वह जल्द ही चोट से उबरने के लिए श्रीलंका लौटेंगे। पाथिराना ने अभी तक आईपीएल के इस चरण में

छह मैच खेलकर 13 विकेट झटके हैं। सीएसके ने रविवार को मीडिया विज्ञप्ति में कहा, 'चेन्नई सुपर किंग्स पाथिराना के जल्द ठीक होने की कामना करती है।' पाथिराना सीएसके के लिए अंतिम मैच सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेला था जिसमें टीम 78 रन से जीती थी।

स्वियाटेक ने जीता मैड्रिड ओपन का खिताब

मैड्रिड। इगा स्वियाटेक ने पिछले साल के फाइनल में एरिना सबालेंका के खिलाफ हार का बदला चुकता करते हुए शनिवार देर रात को यहां मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट का महिला एकल का खिताब अपने नाम किया। दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी पोलैंड की स्वियाटेक ने दूसरे नंबर की खिलाड़ी सबालेंका को तीन सेट तक चले फाइनल में 7–5, 4–6, 7–6 से हराकर सत्र का अपना तीसरा खिताब जीता। स्वियाटेक 2012 में कैरोलिन वोजनियाकी के बाद 20 खिताब के आंकड़े को छूने वाली सबसे युवा खिलाड़ी हैं। स्वियाटेक तीसरे सेट में जब 5–6 के स्कोर पर सर्विस कर रहीं थी तो उन्होंने दो मैच प्वाइंट बचाए। उन्होंने टाईब्रेक में तीसरा मैच प्वाइंट बचाया और फिर सेट जीतकर खिताब अपने नाम किया।

23 अप्रैल को सौंपा था अस्थायी निलंबन, कल अंतिम तारीख

नाडा ने बजरंग पर लगाया बैन, सैंपल नहीं देने का मामला

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

बजरंग पुनिया को हाल ही में राष्ट्रीय ट्रायल के दौरान डोप टेस्ट के लिए अपना नमूना देने से इनकार करने पर अस्थाई तौर पर निलंबित कर दिया गया है।भारतीय कुश्ती महासंघ इस मामले में राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी द्वारा उसे 'अंधेरे में' रखने का आरोप लगाते हुए विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी से शिकायत करने की योजना बना रहा है।

बजरंग को 23 अप्रैल को नाडा ने अस्थायी निलंबन सौंपा था। उन्हें आगे की अनुशासनात्मक कार्रवाई से बचने के लिए सात मई तक अपना जवाब भेजने को कहा गया था।

दी गई थी एक्सपायरी किट : बजरंग

बजरंग ने अपने निलंबन पर कहा कि उन्होंने कभी भी नाडा अधिकारियों को अपना नमूना देने से इनकार नहीं किया। उन्होंने नाडा पर 'एक्सपायर हो चुकी किट' देने का आरोप लगाते हुए 'एक्स' पर लिखा, 'मेरे बारे में जो डोप टेस्ट के लिए खबर आ रही है उसके लिए मैं स्पष्ट करना चाहता हूं। मैंने कभी भी नाडा अधिकारियों को नमूना देने से इनकार नहीं किया, मैंने उनसे अनुरोध किया कि वे मुझे जवाब दें कि वे पहले मेरा नमूना लेने के लिए जो 'एक्सपायर किट' लाए थे, उस पर उन्होंने क्या कदम उठाए या क्या कार्रवाई की उसका जवाब दे दीजिए और फिर मेरा डोप टेस्ट ले लीजिए। मेरे वकील विदुष सिंघानिया इस पत्र का जवाब समय अनुसार देंगे।'

नाडा ने डब्लूएफआई को नहीं दी निलंबन की सूचना

बजरंग अगर तय समय में अपना जवाब देने में असफल रहते हैं तो वह पेरिस ओलंपिक क्वालीफिकेशन की दौड़ से बाहर हो जाएंगे। इस बीच डब्लूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह ने आश्चर्य व्यक्त किया कि नाडा ने उन्हें बजरंग के निलंबन के बारे में सूचित नहीं किया। संजय ने कहा, 'यह वास्तव में आश्चर्यजनक है कि नाडा ने बजरंग को निलंबित करते समय हमें सूचित नहीं किया।

भारत की रिले टीम हीट पूरा करने में नाकाम

एजेंसी ▶▶| नासाउ

दूसरे चरण के धावक राजेश रमेश के पैर में जकड़न के कारण बाहर होने से भारतीय पुरुष चार गुणा 400 मीटर रिले टीम पेरिस ओलंपिक क्वालीफिकेशन के पहले दौर के दौरान रविवार को यहां विश्व एथलेटिक्स रिले में अपनी हीट पूरी करने में विफल रही।

मोहम्मद अनस याहिया, राजेश रमेश, मोहम्मद अजमल और अमोज जैकब की भारतीय चौकड़ी हीट नंबर चार में शीर्ष दो में रहकर पेरिस का टिकट पक्का करने की उम्मीद कर रही थी लेकिन रमेश ने अपना बायां पैर पकड़कर लड़खड़ाते हुए रेस बीच में ही छोड़ दी। अनस पहले चरण की दौड़ पूरी कर चुके थे।

नासा ने शेयर की सौरमंडल के ग्रहों की अद्भुत तस्वीरें

शनि के साथ पेरिडिया को बताया 'छल्ले वाला ग्रह'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने सोशल मीडिया पर सौरमंडल के ग्रहों की नई तस्वीरें पोस्ट की हैं। नासा ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर पेरिडिया ग्रह की एक छवि के साथ शनि ग्रह की नई तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसे नासा ने रिंग वाले ग्रह के समान बताया। नासा ने कहा कि हमारा सौर मंडल बहुत समय पहले यहीं एक आकाशगंगा में बना था। हालांकि, हमारे सौरमंडल के ग्रहों की तरह पेरिडिया ग्रह में भी कई समानताएं हैं।

पेरिडिया हमारे शनि की तरह भव्य दिख रहा

हमारे सौरमंडल में बहुत समय पहले यहीं एक आकाशगंगा में बना था

सौरमंडल के ग्रहों की तरह पेरिडिया ग्रह में भी कई समानताएं

मंगल ग्रह पर टीले, पहाड़ और लाल रंग की जमीन

नासा ने पेरिडिया के बारे में आगे जानकारी दी और कहा कि यह एक्स्ट्रागैलेक्टिक ग्रह है जहां एज्रा ब्रिजर और ग्रैंड एडमिरल थ्रॉन को गायब कर दिया गया था, जिसे बाद में अहसोका तानो और सबाइन ग्रेन ने पाया। नासा ने अपनी पोस्ट में लिखा, मंगल ग्रह में टीलों, पहाड़ों और मैदानों के साथ सूखी लाल रंग की जमीन दिख रही है।

शनि ग्रह के इर्द-गिर्द भूरे रंग के छल्ले, जो काले स्थान से घिरे

नासा ने अपनी पोस्ट में लिखा कि पेरिडिया हमारे सौर मंडल के सबसे भव्य दिखने वाले ग्रह शनि की तरह दिख रहा है। शनि का रंग भूरा दिखाई दे रहा है। इसके इर्द-गिर्द छल्ले भूरे रंग के हैं और काले स्थान से घिरे हुए हैं।

एयरफोर्स के काफिले पर घात लगाकर किया था आतंकी हमला, मामले में हुआ बड़ा खुलासा

लश्कर के 4 आतंकवादियों ने किया था वायुसेना के काफिले पर हमला, साजिद जट ने दी थी ट्रेनिंग

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में भारतीय वायुसेना (आईएएफ) के काफिले पर घात लगाकर किए गए आतंकी हमले में एक जवान की मौत हो गई थी। 4 अन्य जवान घायल हो गए थे। अब इस मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। आईएएफ के काफिले पर हमला साजिद जट द्वारा प्रशिक्षित लश्कर-ए-तैयबा के 4 आतंकवादियों का काम था। पिछले हमलों के बाद एक मानक संचालन प्रक्रिया विकसित की गई थी। जैसे ही बलों ने जोरदार जवाबी कार्रवाई की आतंकवादी भाग गए। हमलावर आतंकवदियों की तलाश जारी है। वायुसेना के काफिले पर हमले की घटना शनिवार शाम करीब 6 बजे हुई, जब कॉनवॉय जारनवाली से वायुसेना स्टेशन लौट रहा था। भारतीय वायुसेना का मूवमेंट संभवतः राडार ऑपरेशन के लिए था। दो लोगों की हालत गंभीर है। इस क्षेत्र में लगभग 17 आतंकवादी साजिद जट समूह से हैं।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में भारतीय वायु सेना के काफिले पर घात लगाकर हमला कर दिया। इस हमले में भारतीय वायुसेना का एक जवान शहीद हो गया।

हमलावर आतंकवदियों की तलाश जारी

17 आतंकवादी साजिद जट समूह क्षेत्र में से हैं

25 मई को पुंछ में छठे चरण में मतदान

बलों ने की जोरदार जवाबी कार्रवाई, आतंकी भागे

इलाज के दौरान जवान ने तोड़ दिया दम

अनंतनाग-राजौरी लोकसभा क्षेत्र में मतदान से 3 सप्ताह पहले आतंकवादियों ने भारतीय वायुसेना के काफिले पर घात लगाकर हमला किया, जिसमें एक सैनिक (कॉर्पोरल विक्की पहाड़े) की मौत हो गई और 4 अन्य जवान घायल हो गए। पुंछ में 25 मई को छठे चरण में मतदान होना है। अधिकारियों ने कहा कि शाम को पुंछ के सुरनकोट इलाके में सनाई टॉप की ओर जा रहे भारतीय वायुसेना के वाहनों पर 4 आतंकवादियों ने गोलीबारी की, जिसमें 5 सुरक्षाकर्मी घायल हो गए थे। 2 की हालत गंभीर थी। एक ने बाद में इलाज के दौरान एक सैन्य अस्पताल में दम तोड़ दिया।

तलाशी अभियान, जंगल में छिपे होने का संदेह

पुंछ जिले में शाहसितार के पास स्थानीय सैन्य इकाइयों द्वारा फिलहाल घेराबंदी कर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। सैन्य अधिकारियों को आतंकवादियों के उसी समूह की संलिप्तता का संदेह है, जिन्होंने पिछले साल 21 दिसंबर को ब्रुफलियाज में सैनिकों पर घात लगाकर हमला किया था, जिसमें 4 सैनिक मारे गए थे और 3 घायल हो गए थे। भारतीय वायुसेना के काफिले में शामिल ट्रकों में से एक को हमले का सबसे अधिक खामियाजा भुगतना पड़ा, जिसमें कई गोलियां उसकी विंडस्क्रीन और साइड में लगी हैं। अधिकारियों ने संदेह है कि हमले को अंजाम देने के बाद आतंकवादी पास के जंगलों में भाग गए।

आतंकवादियों को खाना और रसद देने वाले 6 हिरासत में, पूछताछ जारी

जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में भारतीय वायु सेना के काफिले पर हुए हमले के संबंध में पूछताछ के लिए सुरक्षाबलों ने 6 स्थानीय लोगों को हिरासत में लिया है। इन स्थानीय लोगों पर हमले में आतंकियों की मदद करने का संदेह है। हिरासत में लिए गए लोगों में से एक की पहचान मोहम्मद रजाक के रूप में की गई है। जिसके बारे में माना जाता है कि उसने आतंकवादियों को भोजन और रसद सहायता दी थी। हमला पुंछ के शाहसितार इलाके में शनिवार शाम 6 बजकर 15 मिनट पर हुआ। चार आतंकियों ने सनाई टॉप जा रही सुरक्षाबलों की दो गाड़ियों पर फायरिंग की। इसमें से एक वाहन एयरफोर्स का था। हमले के बाद आतंकवादी जंगल में भाग गए। उनके हाथ में एके असॉल्ट राइफल्स थी। एयरफोर्स की स्पेशल गरुड़ फोर्स, आर्मी और जम्मू-कश्मीर पुलिस सर्च ऑपरेशन कर रही हैं। पुंछ, राजौरी-अनंतनाग लोकसभा सीट में आता है। यहां छठे फेज में 25 मई को वोटिंग है।

आतंकियों का नहीं मिल रहा सुराग

वायुसेना के काफिले पर हमले के पीछे के आतंकवादियों को पकड़ने के लिए अभियान दूसरे दिन भी जारी है। इसके मद्देनजर सुरक्षाबलों ने आतंकियों की मदद के शक में पूछताछ के लिए छह स्थानीय लोगों को हिरासत में लिया है। वहीं, शाहसितार, गुरसाई, सनाई और शींदरा टॉप समेत कई इलाकों में तलाशी अभियान जारी है। हमले के बाद आतंकवादी जंगल में भाग गए हैं, लेकिन अभी तक उनका पता नहीं चल पाया है। इससे पहले 21 दिसंबर 2023 को सुरनकोट में भी सेना के काफिले पर आतंकियों ने हमला किया था।

26/11 मामले में वकील थे निकम

निकम बोले- शहीद करकरे के बहाने मुझ पर हमला

मुंबई। महाराष्ट्र कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने एक विवादित बयान देते हुए ये कहा था कि आतंकवादी अजमल कसाब ने पुलिस अधिकारी हेमंत करकरे की हत्या नहीं की थी, बल्कि आरएसएस से जुड़े एक पुलिसकर्मी ने उन्हें गोली मारी थी।

मालूम हो कि उज्जवल निकम 26/11 मामले में वकील थे और इस चुनाव में मुंबई उत्तर मध्य से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ेंगे। इस पर पलटवार करते हुए मुंबई नॉर्थ सेंट्रल से भाजपा उम्मीदवार उज्ज्वल निकम ने कहा कि कांग्रेस के नेता कोई भी मुद्दा उठा रहे हैं। भाजपा ने जब से मेरी उम्मीदवारी घोषित की है तब से कांग्रेस ने मुझ पर हमला करना शुरू कर दिया है। विजय जो कह रहे हैं वह असत्य है।

बयान की आलोचना हुई तो गलती सुधारी

हालांकि, जैसे ही विजय वडेट्टीवार की टिप्पणियों की आलोचना हुई। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि हेमंत करकरे की मौत के बारे में उन्होंने जो कुछ भी कहा वह सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी एसएम मुश्रीफ की 'हू किल्ड करकरे' नाम की किताब में लिखा था। गौरतलब है कि हेमंत करकरे मुंबई एटीएस के प्रमुख थे और 2008 के मुंबई हमलों के दौरान मारे गए थे। 2009 में उन्हें मरणोपरांत अशोक चक्र दिया गया था।

तीन जांबाज अधिकारी हुए थे शहीद

कसाब की ही गोली से मुंबई पुलिस के तीन जांबाज अधिकारी शाहिद हुए थे। जिनमें एक हेमंत करकरे भी शामिल थे। यह बयान खुद कसाब ने कोर्ट में दिया है। कसाब और अबु इस्माइल ने कई निर्दोष लोगों पर गोलीयां चलाई थी, हमारे शहीद हेमन्त करकरे, सालस्कर और कामटे जैसे अधिकारियों को कसाब और अबु इस्माइल ने ही मारा था। ये कसाब ने खुद कोर्ट में कबूल किया है। उसी आधार पर कसाब को सजा हुई थी। अब आप कह रहे हो सब झूठा है? क्या कसाब का बयान झूठा था? अगर आप ऐसा मानते हो तो भगवान आपको क्षमा करे।

खबर संक्षेप

ईरान-इजराइल की यात्रा करते समय सतर्क रहें

नई दिल्ली। भारत ने ईरान और इजराइल की यात्रा पर लगाए गए प्रतिबंध को हटा लिया है। हालांकि विदेश मंत्रालय ने भारतीय नागरिकों को ईरान और इजराइल की यात्रा करते समय सतर्क रहने और भारतीय दूतावासों के संपर्क में रहने की सलाह दी है।

ताइवान के सिर पर मंडरा रहे चीन के एयरक्राफ्ट

बीजिंग। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया है कि उसने चीन के 7 मिलिट्री एयरक्राफ्ट और नौसेना के 5 पोत को अपनी जलसीमा में देखा है। ताइवान ने दावा किया है कि चीनी सेना का एक एयरक्राफ्ट समुद्री सीमा को लांघते हुए उसके सीमाक्षेत्र में प्रवेश कर गया।

लैटिन अमेरिका में तेजी से फैल रहा डेंगू

वॉशिंगटन। लैटिन अमेरिका और कैरेबियाई देशों में डेंगू ने तबाही मचाई है। इस साल जनवरी से अप्रैल के बीच डेंगू के 60 लाख मामले सामने आ चुके हैं। यह स्थिति तब है, जब अभी पीक सीजन आना बाकी है। आने वाले महीनों में हालत और खराब हो सकती है। ब्राजील सबसे ज्यादा डेंगू की चपेट में है।

ज्यूरिख के लिए अभी शुरू हो गई बुकिंग

एयर इंडिया दिल्ली-ज्यूरिख के लिए 16 जून से भरेगी उड़ान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

एयर इंडिया दिल्ली से स्विट्जरलैंड में ज्यूरिख के लिए सीधी उड़ान सेवा 16 जून से शुरू करेगी। उड़ानों का संचालन हफ्ते में 4 दिन सोमवार, बुधवार, शुक्रवार और रविवार को होगा। इस उड़ान के लिए बोइंग 787 विमान का उपयोग किया जाएगा। इसमें 'इकोनोमी' और 'बिजनेस' श्रेणी होंगी। इस गर्मी में स्विटजरलैंड के खूबसूरत नजारे आपका इंतजार कर रहे हैं। ज्यूरिख के लिए बुकिंग अभी शुरू हो गई है।

एयर इंडिया के सीईओ और एमडी कैम्पबेल विल्सन ने कहा कि भारत में काम कर रही 250 से अधिक स्विस कंपनियों, स्विट्जरलैंड में सैकड़ों भारतीय कंपनियों और लगभग 18 हजार की प्रवासी भारतीय आबादी के साथ ये उड़ानें दोनों क्षेत्रों में व्यापार और पर्यटन यात्रा की मजबूत मांग को पूरा करेंगी। एयर इंडिया यूरोप के 6 शहरों- एम्स्टर्डम, कोपेनहेगन, फ्रैंकफर्ट, मिलान, पेरिस और वियना के लिए 60 साप्ताहिक उड़ानें संचालित करती है।

टनकपुर में आग लेती जा रही विकराल रूप, श्रमिक की भी मौत

हल्द्वानी। उत्तराखंड के कुमाऊं में जंगलों की आग अब विकराल हो गई है। टनकपुर (चंपावत) क्षेत्र के बूम वन रेंज के जंगल में शुक्रवार देर शाम को भीषण आग लग गई। वन कर्मियों ने बमुश्किल आग को फैलने से रोका। इस बीच एक वन कर्मी धुएं से बेहोश हो गया जिसका उप जिला अस्पताल में इलाज किया गया। वहीं, गुरुवार को जंगल की आग से झुलसी चौथी महिला श्रमिक पूजा ने भी दम तोड़ दिया है। इस हादसे में उसके पति की पहले ही मौत हो चुकी है। सोमेश्वर के स्यूनराकोट में तीन दिन पूर्व जंगल की आग में चार नेपाली श्रमिक झुलस गए थे। तीन की मौत पहले ही हो चुकी है जबकि चौथी महिला श्रमिक की ऋषिकेश एम्स में उपचार के दौरान शनिवार को मौत हो गई।

'टाइम्स स्क्वायर' पर भारतीय साड़ियों का प्रदर्शन

साड़ी को वैश्विक पहचान

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क के मशहूर टाइम्स स्क्वायर पर साड़ियों में सजी सैकड़ों महिलाओं ने साड़ी की वैश्विक पहचान को प्रदर्शित करने के मकसद से एक विशेष कार्यक्रम में साड़ियों की खूबसूरती, विरासत और सांस्कृतिक विविधता का प्रदर्शन किया। 'टाइम्स स्क्वायर' पर बीते शनिवार को आयोजित 'साड़ी गोज ग्लोबल' कार्यक्रम में भारतीय समुदाय सहित उन 9 देशों की 500 से अधिक महिलाओं ने भाग लिया, जहां साड़ी लोकप्रिय परिधान है। इन देशों में भारत के साथ-साथ बांग्लादेश, नेपाल, ब्रिटेन, अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, युगांडा, त्रिनिदाद और गुयाना शामिल हैं। उत्कृष्ट कढ़ाई एवं शैलियों वाली रंग-बिरंगी साड़ियां पहनी हुईं महिलाओं ने अपने संग्रह का प्रदर्शन किया।

खालिस्तान के मुद्दे पर कनाडा पीएम ट्रूडो को लगाई फटकार

देश अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर फैला रहा अतिवाद

ट्रूडो बोले- 3 गिरफ्तारी पर रुकने वाली नहीं जांच, विदेश मंत्री जयशंकर का पलटवार- पहले सबूत तो दिखाओ

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जस्टिन ट्रूडो के नेतृत्व वाली कनाडा सरकार की आलोचना की। उन्होंने संगठित अपराध से जुड़े लोगों को कनाडा सरकार वीजा दे रही है। उन्होंने कहा कि देश अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर अतिवाद, अलगाववाद और हिंसा के पैरोकारों को वैधता दे रहा है।

उन्होंने कहा कि कनाडा इस समय भारत के लिए बड़ी समस्या है। खालिस्तान आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में कथित रूप से शामिल 3 भारतीय नागरिकों की गिरफ्तार पर भी जयशंकर ने प्रतिक्रिया दी। जस्टिन ट्रूडो के बयान पर पलटवार करते हुए विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि कनाडा ने कोई सबूत नहीं दिया। वे न तो कोई सबूत देते हैं और न ही उनकी पुलिस एजेंसियां हमारे साथ सहयोग करती हैं।

खालिस्तान आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में कथित रूप से शामिल 3 भारतीय नागरिकों की गिरफ्तार पर भी जयशंकर ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि निज्जर की हत्या को लेकर कनाडा में जो कुछ हो रहा है, वह ज्यादातर उनकी आंतरिक राजनीति के कारण है और इसका भारत से कोई लेना-देना नहीं है।

संगठित अपराध से जुड़े लोगों को कनाडा दे रहा वीजा

कुछ देशों में एक संगठित राजनीतिक लॉबी

जयशंकर ने कहा कि कुछ देशों में इस तरह के लोगों ने खुद को राजनीतिक रूप से संगठित किया है और एक राजनीतिक लॉबी बन गए हैं। इनमें से कुछ लोकतांत्रिक देशों में, वहां के राजनेताओं को यह विश्वास दिलाया जाता है कि अगर वे इन लोगों लोगों का सम्मान करते हैं या इन लोगों का समर्थन करते हैं तो इन उनके पास एक समुदाय को अपना समर्थन देने की क्षमता है।

भारत के लिए बड़ी समस्या है कनाडा: जयशंकर

उन्होंने कहा कि अभी हमारी सबसे बड़ी समस्या कनाडा है, क्योंकि कनाडा में आज जो सरकार है, वह उग्रवाद, अलगाववाद और हिंसा की वकालत करने वालों को आजादी के नाम पर एक निश्चित वैधता दे दी है।

लगाए गंभीर आरोप

एस जयशंकर ने पंजाब में संगठित अपराधों से जुड़े क्रिमिनल को वीजा देने के लिए कनाडा सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि सच्चाई यह है कि पंजाब के संगठित अपराध से जुड़े कई लोगों का कनाडा में स्वागत किया गया है। हमने कनाडा से कहा है कि ये भारत के वांछित अपराधी हैं, आपने उन्हें वीजा क्यों दिया है। इनमें से कई लोग झूठे दस्तावेजों पर कनाडा जाते हैं।

गाज़ा पर हमलों का विरोध

कोलंबिया विवि में बढ़ता जा छात्रों का रहा विरोध-प्रदर्शन

एजेंसी ▶▶ न्यूयॉर्क

अमेरिका की कोलंबिया यूनिवर्सिटी में 130 से ज्यादा कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में छात्र गाजा के समर्थन में प्रदर्शन कर रहे हैं। 2,000 से ज्यादा प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया है। हैमिल्टन हॉल पर जमा छात्रों पर न्यूयॉर्क पुलिस की कार्रवाई के बाद दुनियाभर में यह एक चर्चा का विषय बन गया था। यह प्रदर्शन फिलहाल खत्म नहीं हुए हैं और छात्र अलग-अलग माध्यम से अपनी बात रख रहे हैं। कोलंबिया यूनिवर्सिटी के छात्रों ने गाजा पर इजराइल के लगातार हो रहे हमलों के खिलाफ यह प्रदर्शन शुरू किए थे।

गाजा पर बमबारी बंद करे इजराइल

छात्र मांग कर रहे हैं कि उनके विश्वविद्यालयों को हर तरह इजराइल से अलग कर दिया जाए। छात्र चाहते हैं कि इजराइल गाजा पर बमबारी बंद करे और इस युद्ध का अंत हो। अमेरिका के विश्वविद्यालय और वह कंपनियां जो इजराइल से वित्तीय या किसी तरह का अलग संबंध रखते हैं उसे खत्म किया जाए। प्रदर्शन 17 अप्रैल को से शुरू हुआ था।

सरकार बदली पर धौलपुर जिले का परिवहन विभाग का सिस्टम नहीं बदला!

मार्च का महीना खत्म होने के बाद भी नेशनल हाईवे 44 पर अवैध उगाई के लिए लगा रहता है बड़ा लंबा जाम

उच्च अधिकारियों का नहीं है इस हाईवे पर कोई ध्यान

आखिर कब होगी इस मामले पर कार्रवाई ?

राजस्थान की राजनीति

धौलपुर। सागरपाड़ा व बरेठा चेकपोस्ट पर अवैध वसूली का खेल जोरों पर अब भी चल रहा है। यह देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि ये चेकपोस्ट परिवहन विभाग ने प्राईवेट रूप से ठेके पर दे दिया है। जिसके चलते इन चेकपोस्टों को पिछले लंबे समय से गुण्डा तत्वों ने अघोषित रूप से कब्जा रखा है। बताया जाता है यहां अवैध वसूली के लिए रखे प्राईवेट गुंडों द्वारा कार्यवाही का झूठा डर दिखाकर कागजों को जप्त करने की धमकी देकर अवैध वसूली की जा रही है। इससे न केवल राजस्व को हानि पहुंच रही है, बल्कि चेकपोस्टों पर लूटपाट का माहौल निर्मित कर रखा था। इन चेकपोस्टों पर बाहरी गुंडो द्वारा परिवहन विभाग वाहनों से खुलेआम अवैध वसूली करवा रहा है। जिससे हर माह सांठ गांठ करने वाले जिम्मेदार अधिकारियों को हर माह लाखों की काली कमाई हो रही है। यह बता दें कि इस गोरखधंधे में आरटीओ, वाणिज्यकर और वन विभाग के कुछ कर्मचारियों की मिलीभगत जगजाहिर है। जो प्राईवेट गुंडो कि मदद से खुलेआम अधिकारियो के संरक्षण में सरगने के रूप में चैक पोस्टों पर कब्जा जमाकर अवैध वसूली का खेल चला रहे हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आरटीओ चैक पोस्ट से होने वाही काली कमाई का बटौना जिले से लेकर संभाग तक वितरण किया जा रहा है। जिससे सरकार को हर माह लाखों कि राजस्व हानि हो रही है।

हमेशा विवादों में रहे हैं चैक पोस्ट

सागर पाडा और बरेठा चेकपोस्ट पर होने वाली अवैध वसूली का काला खेल हमेशा से विवादित रहा है, इनमें सबसे ज्यादा सागर पाडा है जो मध्यप्रदेश की सीमा से सटा हुआ चम्बल के पास स्तिथ है। कुछ समय पहले इसी अवैध वसूली के प्रकरण में सागर पाडा चेकपोस्ट न केवल जिले में बल्कि राज्य में भी विवादित रहा और इस प्रकरण में कई बड़े अफसर व पर गाज भी गिरी थी। लेकिन फिर से वैसा का वैसा माहौल हो गया और अवैध वसूली चल रही है।

इस पूरे खेल में स्थानीय गुण्डों और परिवहन विभाग की भूमिका संदिग्ध

विदित है कि इन चेकपोस्टों से अंतर्राज्जीय वाहन गुजरते हैं। धौलपुर हाइवे का 25 किलोमीटर का दायरा चंबल की ओर जहां मध्यप्रदेश की सीमा को जोड़ता है तो वहीं बरेठा चेकपोस्ट उत्तरप्रदेश की सीमा को जोड़ता है। इन चेकपोस्टों से गुजरने वाले वाहनों की चैकिंग फॉरेस्ट, परिवहन और वाणिज्यकर विभाग के द्वारा की जाती है। सूत्रों की मानें तो इस सेन्ट्रल मार्ग से निकासी के एवज में ओवरलोड ट्रक, ट्रॉला से हजारों रुपए प्रति वाहन वसूले जाते हैं। इस कारोबार को धौलपुर के माफिया तत्व मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश से मिलकर चला रहे हैं। अब सोचने वाली बात ये है कि आखिर कब तक यह अवैध वसूली का खेल चलता रहेगा और सरकार को राजस्व की हानि होती रहेगी।

समाज के हित में किसी भी सामाजिक मुद्दे, भ्रष्टाचार के खुलासे के लिए मय दस्तावेज हमसे सम्पर्क करें (हम बनेंगे आपकी आवाज़) -7610866001,8946840063

जेके लोन हॉस्पिटल में लैब टेक्नीशियन चुरा रहा था प्लाज्मा

ब्लड बैंक के कर्मचारियों ने रंगे हाथों पकड़ा, जांच के लिए कमेटी बनाई

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। जयपुर के जेके लोन हॉस्पिटल में ब्लड बैंक से प्लाज्मा चुराने का मामला सामने आया है। यहां ब्लड बैंक में काम करने वाला लैब टेक्नीशियन लंबे समय से प्लाज्मा चुरा रहा था। शनिवार को ब्लड बैंक कर्मचारियों ने लैब टेक्नीशियन को रंगे हाथों पकड़ लिया।

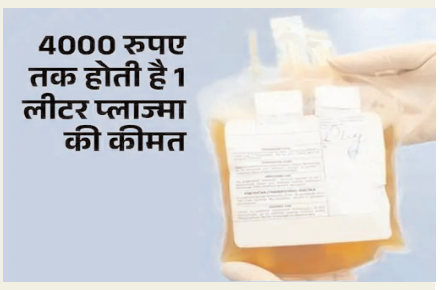

ब्लड बैंक इंचार्ज ने जब उससे पूछताछ की तो उसने प्लाज्मा चुराने की बात कबूल कर ली और बड़ी मात्रा में चुराया हुआ प्लाज्मा फिर से जेके लोन हॉस्पिटल में जमा भी कराया। उधर, मामला सामने आने के बाद जेके लोन अस्पताल प्रशासन ने कमेटी गठित कर आरोपी लैब टेक्नीशियन के खिलाफ जांच शुरू कर दी है।

जेके लोन हॉस्पिटल में ब्लड बैंक के इंचार्ज डॉक्टर सत्येंद्र सिंह ने बताया कि लैब टेक्नीशियन कृष्णकांत कटारिया पिछले लंबे समय से प्लाज्मा चोरी कर रहा था। शनिवार को ही लैब में काम करने वाले दूसरे कर्मचारियों ने उसे रंगे हाथों पकड़ा था। इसके बाद जब इस पूरे मामले की शुरुआती जांच की गई तो इसमें कृष्णकांत दोषी पाया गया। फिलहाल फिजिकल वेरिफिकेशन किया जा रहा है, ताकि यह पता लग सके कि कृष्णकांत कब से और कितनी यूनिट प्लाज्मा चोरी कर चुका है।इउसके बाद ही इस पूरे मामले पर कोई अंतिम फैसला लिया जा सकेगा।

प्लाज्मा चुराने का पहला मामला

उन्होंने बताया- कृष्णकांत के खिलाफ जांच के लिए कमेटी का गठन किया गया है। कमेटी में ब्लड बैंक के नर्सिंग ऑफिसर, लैब टेक्नीशियन समेत अन्य अधिकारी शामिल हैं, जो अब इस पूरे मामले की जांच रिपोर्ट तैयार कर हॉस्पिटल अधीक्षक को सौंपेंगे। इसके बाद ही इस पूरे मामले पर कुछ भी कहना ठीक होगा। कृष्णकांत के दोषी पाए जाने पर लीगल राय के आधार पर उसके खिलाफ कोई कार्रवाई की जाएगी, क्योंकि इस तरह से प्लाज्मा चुराने का यह पहला मामला सामने आया है, जो काफी गंभीर है।

कार से करीब 110 यूनिट प्लाज्मा बरामद

उधर, सूत्रों के अनुसार जेके लोन हॉस्पिटल का लैब टेक्नीशियन कृष्ण कांत कटारिया पिछले लंबे वक्त से प्लाज्मा चुरा कर निजी कंपनियों को बेच रहा था। शनिवार को भी उसकी कार से करीब 110 यूनिट प्लाज्मा बरामद हुआ था। हालांकि जेके लोन हॉस्पिटल प्रशासन द्वारा इसकी पुष्टि नहीं की गई है और न ही कृष्णकांत के खिलाफ अब तक कोई शिकायत दर्ज करवाई गई है।

बता दें कि प्लाज्मा बहुत मुश्किल से उपलब्ध होता है। आमतौर पर प्लाज्मा गंभीर बीमारियों के मरीज के काम में ही आता है। इसकी वजह से इसकी कीमत 3500 से 4000 प्रति लीटर तक होती है। प्लाज्मा हमेशा डॉक्टरों की राय के बाद ही मरीज को चढ़ाया जाता है, ऐसे में इसकी उपलब्धता काफी कम होती है।

प्रेग्नेंट महिला की दुष्कर्म के बाद की थी हत्या

मंत्री किरोड़ीलाल समेत 3 एमएलए पहुंचे नांदरी गांव, आरोपी को फांसी देने की मांग

राजस्थान की राजनीति

दौसा। दौसा जिले के नांदरी गांव में प्रेग्नेंट महिला से दुष्कर्म व हत्या को लेकर मचा बवाल शांत करने के लिए रविवार शाम को कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़लाल मीणा समेत तीन विधायक मौके पर पहुंचे। जहां आयोजित हुई गांव की पंचायत में मंत्री मीणा ने महिला के लापता होने से लेकर हत्या तक के पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली।

इसके बाद आरोपी के घरों में लोगों द्वारा आगजनी व तोड़फोड़ की भी जानकारी ली। जहां लोगों ने महिला की हत्या के आरोपी को कड़ी सजा दिलाने और आगजनी के घटनाक्रम में पुलिस द्वारा निर्दोष लोगों को नहीं फंसाने की भी मांग रखी। मौके पर स्थानीय विधायक विक्रम बंशीवाल, महुवा विधायक राजेन्द्र प्रधान, लालसोट विधायक रामविलास डूंगरपुर समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद हैं।

मंत्री बोले- पुलिस ने बर्बरता की

मीटिंग के बाद मीडिया से बात करते हुए मंत्री ने कहा कई दिन पहले गांव में अप्रिय घटना घटित हो गई थी। इसके बाद उपजे तनाव के हालात में पुलिस द्वारा बर्बरता करने की बात भी सामने आई है। देश में कानून का राज है और कानून हाथ में लेने का अधिकार किसी को नहीं दिया जा सकता। जिसने भी गलती की है उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। मैंने ग्रामीणों को आश्वस्त किया है कि किसी को भय में आने की आवश्यकता नहीं है। यह हमारी सरकार की जिम्मेदारी है। इस संबंध में जल्द ही पुलिस अधिकारियों से वार्ता की जाएगी।

प्रेग्नेंट महिला की हत्या से जुड़ा है मामला

नांदरी गांव के एक युवक ने 28 अप्रैल को जगराम नाम के युवक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई थी कि वह उसकी पत्नी को 27 अप्रैल को चारा भरवाने की बात कहकर ले गया था, लेकिन वापस नहीं लौटे। इसके बाद युवक ने पत्नी के घर नहीं लौटने पर उसे तलाश किया, लेकिन पता नहीं चला।

शिकायत के बाद पुलिस ने तलाश शुरू की तो लापता महिला का शव 29 अप्रैल को जंगल के पास क्षत-विक्षत हालत में पड़ा मिला। इस पर मृतका के पति ने हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि जगराम मीणा ने दुष्कर्म के बाद उसकी 6 माह की प्रेग्नेंट पत्नी की हत्या कर दी। मामले में पुलिस ने 1 मई को आरोपी जगराम मीणा को गिरफ्तार किया था।

पुलिस ने 4 आरोपी गिरफ्तार किए

इसके बाद गुस्साए ग्रामीणों ने आरोपी के घरों में आगजनी कर दी थी। पुलिस पर भी पथराव कर दिया था। मामले में पुलिस ने नांदरी गांव के 150 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया। साथ ही 4 आरोपियों को गिरफ्तार भी किया जा चुका है। ऐसे में पुलिस कार्रवाई को लेकर लोगों में भय बना होने से गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है।

जयपुर में किडनैप कर कोचिंग छात्रा से गैंगरेप

हाथ-पैर बांधकर सड़क पर फेंका; मदद करने पहुंचे युवक ने भी रेप की कोशिश की

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। कोचिंग छात्रा को किडनैप कर गैंगरेप करने के बाद आरोपी हाथ-पैर बांधकर सड़क पर पटक गए। पीड़िता की मदद करने पहुंचे युवक ने भी रेप की कोशिश की। इसके पीड़िता भागकर अपने परिजनों तक पहुंची।घटना के दो दिन बाद पीड़िता ने परिजनों को बताया और थाने में मामला दर्ज करवाया। घटना जयपुर शहर के कानोता थाना क्षेत्र की है।

पुलिस ने बताया कि 20 वर्षीय एक युवती ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। वह कॉम्पिटिशन एग्जाम की कोचिंग कर रही है। 29 अप्रैल को उसके मोबाइल पर अनजान लड़के ने वॉट्सऐप मैसेज किया। लिखा- तुझे मेरे बताए टाइम पर मेरी बताई जगह पर आना है। अगर तूने अपने परिवार या किसी को जानकारी दी। तो मैं तेरे भाई को मार दूंगा। डर के मारे अगले दिन 30 अप्रैल को दोपहर 1:30 बजे युवती घर से एक किलोमीटर दूर बताई जगह पर पहुंच गई।

बोलेरो में बंदूक दिखाकर धमकाया

युवती के पास एक बोलेरो गाड़ी आकर रुकी। उसमें बैठे दो लड़कों (उम्र 20-25 साल) ने उसे जबरन गाड़ी में बैठा लिया। एक लड़का उसे बंदूक दिखाकर धमकाने लगा। बोला- तेरी वजह से मेरे दोस्त की जान गई है। अब तेरे साथ भी वही करूंगा, जो मेरे दोस्त के साथ हुआ है। युवती डर गई। आरोपियों को बोली- तुम लोग जो कहोगे, मैं वही करूंगी। मेरे परिवार के साथ कुछ गलत मत करना। करीब 1 घंटे बाद दोनों उसे धमकाकर बस्सी छोड़ गए।

डर के मारे नहीं पहुंच सकी घर

इसके बाद युवती ने घर जाने के लिए बस्सी से टैक्सी की। घर के पास बस स्टैंड पर धमकाने वाला लड़का खड़ा दिखाई दिया। वह ट्रांसपोर्ट नगर की ओर रवाना हो गई। पैसे खत्म होने पर टैक्सी ड्राइवर ने उसे ट्रांसपोर्ट नगर उतार दिया। ट्रांसपोर्ट नगर पुलिया के नीचे दोबारा आरोपी लड़का दिखा। रात होने के कारण डर के मारे एक पार्क में रात काटी।

जयपुर में सुपारी किलर को दिया था हत्या का टारगेट: कार से एक्सीडेंट करने के लिए दिए थे रुपए, रेकी के लिए 3 घंटे घूमते रहे

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। जयपुर में जमीनी विवाद को लेकर सुपारी किलर को हत्या का टारगेट देने का मामला सामने आया है। मानसरोवर थाना पुलिस ने मामले का खलासा कर चार बदमाशों को अरेस्ट किया है। हत्या के लिए बदमाशों ने 3 घंटे रेकी की बाद वारदात को अंजाम दिया था। सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद पुलिस ने बदमाशों करे पकड़ा है।

डीसीपी (साउथ) दिगंत आनंद ने बताया कि मामले में आरोपी मन्नालाल चौधरी निवासी मान्यावास मानसरोवर, महेश जांगिड उर्फ बॉक्सर निवासी माधोराजुरा फागी हाल थडी मार्केट शिप्रापथ, राहुल चौधरी निवासी चाकूस जयपुर हाल 12-मील सांगानेर और अशुमान मीणा निवासी कांटोली निवाई हाल पिजरोल गौशाला सांगानेर को अरेस्ट किया है। फुटेज के आधार पर बदमाशों को पकड़ा।

मानसरोवर निवासी हर्षवर्धन सिंह ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। उनके घर के बाहर उनकी मां को एक कार से जानबुझ कर टक्कर मारी है। बदमाश एक्सीडेंट का रूप देकर उनकी मां की हत्या करना चाहते थे। वारदात स्थल के पास लगे ष्टष्ट्रङ्क फुटेजों को खंगालने पर टक्कर मारने वाली कार के फुटेज आए। हत्या की नियत से बैठा ड्राइवर कार को पिछले करीब 3 घंटे से इधर-उधर लेकर दिखाई दिया। वह अपनी कार को खड़ा करके इंतजार कर रहा था। महिला के घर से बाहर आने पर अपनी कार स्टार्ट कर उसे टक्कर मार दी। कार के नंबर के आधार पर कार ऑनर श्रवण मीणा से पूछताछ की गई। उसने बताया कि उनका कुकू कार रेन्टल नाम से ऑफिस है। 31 मार्च को कार अंशुमान मीणा किराए पर लेकर गया था। इसके बाद पुलिस टीम अंशुमान मीणा के घर पहुंची।

हत्या की दी गई थी सुपारी

महिला की हत्या की सुपारी देने वाले आरोपी मन्नालाल चौधरी व महिला के बीच भूखंड को लेकर विवाद चल रहा था। पीड़िता के पिता की आरोपी मन्नालाल पहले कार चलाता था। इससे पहले भी मन्नालाल महिला की मां के गहने चुराए थे। इसी के चलते मन्नालाल रजिंश रखता था। मन्नालाल चौधरी ने महिला की हत्या करने के लिए एक्सीडेन्ट का रूप देने की नियत से अपने जानकार महेश जागिंड उर्फ बॉक्सर से बात की। घटना को एक्सीडेंट का रूप देकर हत्या करने के लिए 1 लाख रुपए की सुपारी दी।

इसके बाद महेश जागिंड ने राहुल चौधरी, जितेन्द्र उर्फ गुडडू, अजय, अशुमान के साथ मिलकर प्लानिंग की। मन्नालाल चौधरी ने महेश जागिंड को महिला का घर दिखाया। इसके बाद महेश ने रैकी कर समय वटारगेट फिक्स करने के लिए राहुल चौधरी व जितेन्द्र उर्फ गुड्डू को टारगेट दिया। अजय व अशुमान को कार से टक्कर मारकर हत्या करना तय किया। आई-20 कार कुकू कार रेन्टल प्रतापनगर से 12 घण्टे के लिए किराए पर ली। राहुल चौधरी व जितेन्द्र उर्फ गुडडू ने बाइक से रैकी कर कार से अजय व अशुमान ने उसके घर के बाहर टक्कर मार दी। जिसमें महिला बाल-बाल बच गई उनके पैर में चोट आई थी।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक एवं संपादक रमाकांत गोस्वामी द्वारा महारानी प्रिन्टर्स, 17 मां वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर छपवाकर/मुद्रित कर, पीपलेश्वर मंदिर के पीछे, नला मौहल्ला,दौसा (राजस्थान)-303303 से प्रकाशित किया। संपादक: रमाकान्त गोस्वामी, कार्यकारी संपादक भूपेंद्र कुमार शर्मा, स्थानीय संपादक: संजय लाटा (अवैतनिक) आरएनआई नं. RAJHIN/2012/43137, ब्रांच ऑफिस: 18k3, पंकज सिंघवी मार्ग, ज्योति नगर, जयपुर-302002, मो. नं. 7610866001, हैल्प लाईन नं.: 8946840063, ईमेल- tniawaz.news@gmail.com, Group of Sites- www.hpnews.in, www.right2action.in, www.jaipurtak.com, www.dharmjagran.com, www.hindus-tanpatrika.com, www.freedomathought.com, www.tniawaaz.in (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तदायी), किसी भी वाद-विवाद से निपटने के लिए न्यायालय जयपुर मान्य होगा।